▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 361 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 10 मार्च 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

एक महीने की मोहलत, वरना 'परमानेंट' छुट्टी

विधायक प्रताप सरनाइक ने दो-टूक कह दिया है कि कंपनियों को सुधरने के लिए एक महीने का आखिरी टाइम दिया गया है। अगर इस एक महीने में इन्होंने अपने कागज-पत्तर दुरुस्त नहीं किए और सरकारी शर्तों को नहीं माना, तो समझो इनका लाइसेंस हमेशा के लिए 'राम-नाम सत्य' हो जाएगा। अब गेंद कंपनियों के पाले में है—या तो नियम मानो या बोरिया-बिस्तर समेटो।

अब केवल नोटिस नहीं, सीधा केस होगा!

सरकार अब सिर्फ चिट्ठी-पत्री नहीं भेजेगी, बल्कि सीधा एक्शन मोड में है। अगर अब कोई भी पेट्रोल वाली बाइक टैक्सी पैसेंजर ढोती मिली, तो गाड़ी तो जब्त होगी ही, साथ ही उस गरीब ड्राइवर और गाड़ी के मालिक पर भी कानूनी केस ठोक दिया जाएगा। परिवहन विभाग ने सवारियों को भी चेता दिया है कि भैया, अपनी सुरक्षा देख लो और फिलहाल इन बाइक टैक्सियों के चक्कर में मत पड़ो।

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ऑटो रिक्शा के परमिट पर भी लगा 'ब्रेक'

सिर्फ बाइक ही नहीं, अब तीन पहिए वाले ऑटो पर भी लगाम कस दी गई है। सोमवार को परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने साफ कर दिया कि अब राज्य में नए ऑटो रिक्शा परमिट जारी नहीं किए जाएँगे। राज्य के सभी आरटीओ (RTO) को आदेश भेज दिया गया है कि अब फाइलें आगे मत बढ़ाओ। यानी, अब नया रिक्शा चलाने का सपना देख रहे लोगों को थोड़ा और इंतज़ार करना पड़ेगा।

ओला-उबर और रैपिडो की बाइक-टैक्सी पर बैन, अस्थायी लाइसेंस रद्द

परिवहन का पंचनामा

न चलेगी तेल वाली बाइक, न मिलेगा नया ऑटो परमिट!

अमित बृज । मुंबई

भैया, सीधा हिसाब है कि अगर सरकार ने उँगली पकड़ाई है तो इसका मतलब ये नहीं कि आप पूरा हाथ ही चबा जाओ! ओला, उबर और रैपिडो जैसी बड़ी कंपनियों ने सरकार से वादा किया था कि वे पर्यावरण को साफ रखने के लिए केवल 'इलेक्ट्रिक' (बैटरी वाली) बाइक टैक्सी चलाएँगी। लेकिन पर्दे के पीछे खेल कुछ और ही चल रहा था। इन कंपनियों ने नियमों को ठेंगे पर रखकर धड़ल्ले से पेट्रोल वाली बाइक सड़कों पर उतार दीं। अब जब सरकार की नजर पड़ी, तो उसने एक झटके में इनके अस्थायी लाइसेंस रद्द कर दिए हैं।

ई-बाइक का वादा और पेट्रोल का 'धोखा'

सरकार का इरादा नेक था—सोचा था कि बैटरी वाली गाड़ियाँ चलेंगी तो धुआँ कम होगा और लड़कों को काम भी मिलेगा। पर इन कंपनियों ने तो प्रशासन की आँखों में धूल झोंक दी। कागजों पर 'इलेक्ट्रिक' दिखाया और सड़कों पर 'पेट्रोल' दौड़ाया। इसी 'धोखेबाजी' को देखते हुए मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों में बाइक टैक्सी पर फ़िलहाल ताला लग गया है। अब हजारों ड्राइवरों की रोजी-रोटी पर संकट तो खड़ा हो गया है, पर सरकार का कहना है कि बिना नियमों के कोई 'धंधा' नहीं चलेगा।

शहरों का दम घुट रहा है और जाम का झमेला

आखिर ये फैसला क्यों लेना पड़ा? वजह साफ है—सड़कों पर जगह बची नहीं है! महाराष्ट्र में पहले से ही करीब 14 लाख ऑटो रिक्शा दौड़ रहे हैं। इतने रिक्शे हो गए हैं कि सड़कों पर पैर रखने की जगह नहीं, जहाँ देखो वहाँ ट्रैफिक जाम और ऊपर से जहरीला धुआँ। सड़कों का बोझ कम करने और प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए सरकार को यह सख्त कदम उठाना ही पड़ा।

घुसपैठियों का 'खेला' और कमाई की मार

यहाँ एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। मंत्री सरनाइक ने खुलासा किया है कि कुछ जगहों पर तो अवैध बांग्लादेशियों ने भी हाथ-पैर मारकर ऑटो परमिट हथिया लिए थे। अब इसकी भी बारीकी से जाँच हो रही है। दूसरी तरफ, पुराने रिक्शा वाले भाई भी परेशान थे। उनका कहना था कि इतने ज्यादा नए रिक्शे आ गए हैं कि अब सवारी ही नहीं मिलती, जिससे उनकी दिनभर की कमाई आधी रह गई है। आपसी 'कंपटीशन' ने उनका चूल्हा ठंडा कर दिया था।

केंद्र की मुहर और नई नीति का इंतज़ार

यह पूरा फैसला केंद्र सरकार की सलाह और मंजूरी के बाद लिया गया है। फिलहाल सरकार ने नए परमिट जारी करने पर पूरी तरह रोक लगा दी है, ताकि शहरों की सड़कों पर बढ़ते दबाव को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सके। लगातार बढ़ती गाड़ियों की संख्या के कारण यातायात व्यवस्था पर भारी बोझ पड़ रहा है, जिससे जाम, प्रदूषण और सड़क सुरक्षा जैसी समस्याएं गंभीर होती जा रही हैं। सरकार का मानना है कि अगर बिना किसी ठोस योजना के नए परमिट जारी किए जाते रहे, तो आने वाले समय में यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है। इसी वजह से फिलहाल यह सख्त कदम उठाया गया है।

कलम के सिपाहियों को सरकार की सौगात

मानसून अधिवेशन से पहले होगी पत्रकारों और अखबार विक्रेताओं के लिए महामंडल की स्थापना

धीरज सिंह । मुंबई

महाराष्ट्र के पत्रकारों और अखबार विक्रेताओं के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर सामने आई है। राज्य सरकार ने आश्वासन दिया है कि उनके कल्याण के लिए घोषित दो स्वतंत्र महामंडलों की स्थापना आगामी मानसून अधिवेशन से पहले पूरी कर ली जाएगी। कैबिनेट मंत्री आशीष शेलार ने विधान परिषद में यह स्पष्ट किया कि सरकार पत्रकारों की पेंशन और उनके सामाजिक सुरक्षा के हक को लेकर गंभीर है। भाजपा विधायक श्रीकांत भारतीय ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जरिए याद दिलाया कि 10 अक्टूबर 2024 को कैबिनेट ने पत्रकारों और अखबार विक्रेताओं के लिए अलग-अलग महामंडल बनाने का फैसला लिया था, जो अब तक अधूरा है। जवाब में मंत्री आशीष शेलार ने भरोसा दिलाया कि आगामी मानसून सत्र से पहले दोनों स्वतंत्र बोर्ड काम करना शुरू कर देंगे।

वरिष्ठ पत्रकारों को मिलेंगे 20,000 प्रति माह

सरकार ने बताया कि वर्तमान में 180 वरिष्ठ पत्रकारों को 20,000 प्रति महीने का मानधन (पेंशन) दिया जा रहा है। सरकार अब इस योजना के नियमों को और अधिक 'सुलभ' बनाने जा रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा पात्र पत्रकारों को इसका लाभ मिल सके और कागजी कार्रवाई की अड़चनें कम हों।

बजट सत्र के बाद 'महा-बैठक'

पत्रकारों और अखबार विक्रेताओं की अन्य समस्याओं (जैसे स्वास्थ्य बीमा, आवास और सुरक्षा) को सुलझाने के लिए बजट सत्र खत्म होते ही एक बड़ी बैठक बुलाई जाएगी। इसमें पत्रकार संगठन, श्रम विभाग के अधिकारी और जनप्रतिनिधि एक साथ बैठकर महामंडल के कामकाज की रूपरेखा तय करेंगे। ये दोनों महामंडल राज्य के श्रम विभाग के अंतर्गत काम करेंगे। इनका मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के साथ-साथ सुबह-सुबह घर-घर अखबार पहुँचाने वाले विक्रेताओं को सामाजिक सुरक्षा, बीमा और वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इससे मीडिया जगत से जुड़े जमीनी कार्यकर्ताओं को एक मजबूत कानूनी आधार मिलेगा।

उपसभापति नीलम गोर्हे ने 'बंद अखबारों' के पत्रकारों के लिए उठाई आवाज़

चर्चा के दौरान उपसभापति नीलम गोर्हे ने एक बहुत ही व्यावहारिक समस्या की ओर ध्यान खींचा। उन्होंने कहा कि पेंशन के लिए संपादक का प्रमाण पत्र जरूरी होता है, लेकिन कई अखबार बंद हो चुके हैं, जिससे बुजुर्ग पत्रकारों को दिक्कत आ रही है। उन्होंने सरकार को एक 'उपसमिति' गठित करने का सुझाव दिया ताकि ऐसे पत्रकारों के अनुभव को प्रमाणित कर उन्हें लाभ दिया जा सके।

सरकारी भर्ती परीक्षाओं के शुल्क में राहत

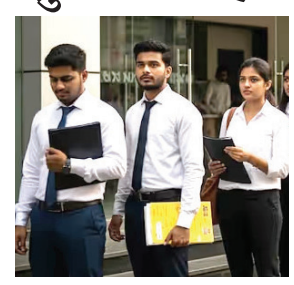

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार राज्य में सरकारी भर्ती परीक्षाओं की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और उम्मीदवारों पर आर्थिक बोझ कम करने के लिए एक नई नीति पर विचार कर रही है। विधानसभा में विधायक श्वेता महाले के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए मंत्री आशीष शेलार ने घोषणा की कि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को परीक्षा शुल्क में अतिरिक्त छूट देने के लिए अन्य राज्यों और केंद्र सरकार की प्रणालियों का अध्ययन करने हेतु एक विशेष समिति गठित की जाएगी। सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के 'सुसूत्रीकरण' (एकीकरण) की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, जिसके तहत अब अलग-अलग विभागों द्वारा समान पदों के लिए अलग-अलग परीक्षाएं लेने के बजाय एक ही एकीकृत परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आरक्षित वर्ग के लिए समिति गठित

गुरुजी ही करवा रहे थे नकल, गिरी गाज

10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में नकल करवाने वाले 81 शिक्षक निलंबित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में बोर्ड परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के लिए शिक्षा विभाग ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई की है। 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं के दौरान छात्रों को नकल में मदद करने और लापरवाही बरतने के आरोप में राज्य भर के 81 शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

बीड जिले में 'कॉपी' का खेल हुआ फेल

बीड जिले के चौसाला स्थित आर्ट्स एंड साइंस जूनियर कॉलेज (सेंटर नंबर 224) में 10 फरवरी को बड़े पैमाने पर नकल का खुलासा हुआ था। यहाँ न केवल नियमों की धज्जियाँ उड़ाई गईं, बल्कि शिक्षक ही छात्रों की मदद कर रहे थे। प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए 17 शिक्षकों को सस्पेंड कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया है।

छत्रपति संभाजीनगर में 21 शिक्षकों पर गिरी गाज

कन्नड़ तहसील के जैतापुर स्थित नेशनल हायर सेकेंडरी स्कूल में भी नज़ारा कुछ ऐसा ही था। सेंटर नंबर 0079 पर नकल करवाने के जुर्म में 24 शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ, जिनमें से 21 को निलंबित कर दिया गया है। यहाँ सामूहिक नकल की खबरें सामने आई थीं।

जालना और गढ़चिरौली में भी 'स्ट्राइक'

जालना के मंथा तहसील में अंग्रेजी के पेपर के दौरान छात्र नकल करते पकड़े गए। सुपरवाइजर के तौर पर तैनात 5 शिक्षकों को लापरवाही के लिए सस्पेंड कर दिया गया। गढ़चिरौली में राजनीति विज्ञान के पेपर में 'माइक्रोनोट्स' और मोबाइल चैट के जरिए हाई-टेक नकल चल रही थी।

कुल 81 शिक्षकों पर गिरी बिजली

शिक्षा मंडल ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई केवल कुछ जिलों तक सीमित नहीं है। राज्य के अन्य हिस्सों में भी जहाँ-जहाँ से शिकायतें मिलीं, वहाँ जाँच की गई। अब तक कुल 81 शिक्षकों को घर का रास्ता दिखा दिया गया है।

ब्रीफ न्यूज़

मई 2026 में खुलेगा मुंबई-पुणे मिसिंग लिंक : उपमुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर बहुप्रतीक्षित मिसिंग लिंक परियोजना का निर्माण कार्य अब अपने अंतिम चरण में है और इसे मई 2026 तक यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। विधान परिषद में कांग्रेस और राकांपा (शरद) के विधायकों द्वारा पूछे गए सवाल के लिखित जवाब में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जानकारी दी कि इस परियोजना का 97.7 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। राज्य सड़क विकास महामंडल (MSRDC) द्वारा खोपोली से कुसगांव तक बनाई जा रही इस 19.80 किलोमीटर लंबी नई सड़क से न केवल यात्रा का समय घटेगा, बल्कि एक्सप्रेस-वे पर होने वाले ट्रैफिक जाम और हादसों में भी भारी कमी आएगी।

नवापुर भूमि अधिग्रहण घोटाले की एसआईटी जांच की घोषणा

नंदूरबार। जिले की नवापुर तहसील के गंगापुर में भूमि अधिग्रहण और 'गिफ्ट डीड' (दान पत्र) के नियमों का उल्लंघन कर किए गए भ्रष्टाचार की जांच अब विशेष जांच दल (SIT) द्वारा की जाएगी। विधान परिषद में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विधायक चंद्रकांत रघुवंशी द्वारा उठाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में यह घोषणा की, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया कि नाशिक के विभागीय आयुक्त प्रवीण गेडाम की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की जाएगी। इस जांच का मुख्य केंद्र यह रहेगा कि बिना किसी पारिवारिक या कानूनी संबंध के राजस्व विभाग ने 'गिफ्ट डीड' को कैसे स्वीकार किया और जमीन के मालिकाना हक में बदलाव कैसे किए गए। मंत्री बावनकुले ने कड़ा रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि इस सक्रिय रैकेट में शामिल पटवारी से लेकर उच्च अधिकारियों तक, किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

महिला आयोग के बजट पर विधानसभा में हंगामा

मुनगंटीवार और जयंत पाटिल ने मंत्री मेघना बोर्डिकर को घेरा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में सोमवार को राज्य महिला आयोग के बजट को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी झड़प देखने को मिली। मुद्दा केवल पैसों का नहीं, बल्कि महिला आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता और उसके वास्तविक खर्च के आंकड़ों में भारी अंतर का था। एक तरफ भाजपा के वरिष्ठ नेता सुधीर मुनगंटीवार ने आयोग की आजादी पर सवाल उठाए, तो दूसरी तरफ जयंत पाटिल ने बजट के सरकारी दावों की पोल खोलते हुए मंत्री को आंकड़ों के जाल में घेर लिया।

महिला आयोग की वित्तीय स्वतंत्रता पर उठे सवाल

भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने अधि कारियों और मंत्रालय की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने पूछा कि जब महिला आयोग एक स्वतंत्र निकाय है, तो उसकी हर छोटी-बड़ी फाइल मंजूरी के लिए बार-बार मंत्रालय (सचिवालय) क्यों भेजी जा रही है? उनका तर्क था कि इस प्रशासनिक देरी के कारण महिलाओं के लिए जागरूकता और अनुसंधान जैसे जरूरी काम ठप पड़ रहे हैं।

विपक्ष ने जारी की खर्च की 'असली' लिस्ट

सदन में सबसे बड़ा विवाद तब हुआ जब मंत्री मेघना बोर्डिकर ने दावा किया कि सरकार ने कभी पैसा नहीं रोका और 2023-24 में 24 करोड़ की मांग पूरी की। लेकिन राकांपा (शरद पवार) के जयंत पाटिल ने सदन में वास्तविक आंकड़े पेश कर सबको चौंका दिया। पाटिल के अनुसार, कागजों पर प्रावधान तो करोड़ों का था, लेकिन आयोग को मिले मात्र कुछ करोड़ ही थे। जयंत पाटिल ने मंत्री पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने दिखाया कि 2023-24 में 15 करोड़ के बजट के मुकाबले केवल 4.63 करोड़ ही जारी हुए।

नेता और नौकरशाही का हाई-वोल्टेज ड्रामा ख़त्म

विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर आईएएस अधिकारी का निलंबन रद्द

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति और नौकरशाही के बीच चल रहा हाई-वोल्टेज ड्रामा एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आ गया है। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के निर्देश के बाद आईएएस अधिकारी एम. देवेंद्र सिंह और संयुक्त निदेशक सतीश पडवाल का निलंबन रद्द करने का निर्णय लिया है।

नौकरशाही की नाराजगी और 'बीच का रास्ता'

2011 बैच के आईएएस अधिकारी के निलंबन से राज्य के अन्य आईएएस अधिकारी काफी नाराज बताए जा रहे थे। इसे मंत्रियों और अधिकारियों के बीच 'अधिकारों की जंग' के रूप में देखा गया।

क्या था 'अपमान' का मामला?

पूरा विवाद 27 फरवरी को शुरू हुआ जब पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने चंद्रपुर में बढ़ते प्रदूषण पर जवाब देने के लिए अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। आरोप है कि MPCB के सदस्य सचिव एम. देवेंद्र सिंह और जॉइंट डायरेक्टर सतीश पडवाल रिमाइंडर के बावजूद बैठक में नहीं पहुंचे।

दायित्वनामा

अजब मीडिया का गजब कारनामा

भारत ने विश्व कप जीत लिया,पूरे देश में पटाखें फोड़े जा रहे हैं, हर व्यक्ति उछलता दिख रहा है कि वह विश्व विजेता देश का नागरिक है। मैच के बाद एक कमेंटेटर ने एक खिलाड़ी से सवाल पूछा कि अब आप कौन सी रील बनाने वाले हैं...!? यह सवाल मीडिया के दीवालिएपन का एक तुच्छ उदाहरण है। खैर, हम यहां बात कर रहे हैं मीडिया के स्तर की। शुक्रवार को मुंबई के पास उरण के एक 6 साल के बच्चे मानस पाटिल ने 17 किमी तैरकर पार किया। वह पल भर को रुका नहीं और लगातार 4 घन्टे 40 मिनट 50 सेकेंड तक समुद्र में तैरता रहा।

बाहर निकल कर उसने सबसे पहला वाक्य अपनी तोतली जुबान से बोला तत्रपति टीवाजी महलाड ती जै बच्चे ने अपने आदर्श क्षत्रपति शिवाजी महाराज का नमन कर अपना काम उन्हें समर्पित कर दिया। इसके बाद वह मां ली गोद में लिपट गया, मां और बच्चे दोनो देर तक रोते रहे। इतना छोटा सा बालक एक महान कार्य कर चुका है, जिससे प्रेरणा लेकर आने लाखों करोड़ों बच्चे अपने जीवन के संघर्षों को चीर कर आगे बढ़ सकते हैं।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

पर सबसे बड़ी दुःखद बात यह है कि भारत में क्या मुंबई के लोगों को इसके बारे में कुछ पता नहीं चल सका। मानस पाटिल ने जो समुद्र जीता है, उसके लिए उसे तो आज नहीं तो कल प्रसिद्धि मिल ही जाएगी। पर मानस के इस शानदार संघर्ष से जो लाखों लोग प्रेरणा लेते उनका भारी नुकसान हुआ है। 24 घंटे का चैनल खोलकर बैठे लोग इस बात की चिंता करते हैं कि लोग चैनल क्यों नही देख रहे, अखबारों का पढ़ना क्यों

कम हो रहा है। उसका मूल कारण यह है कि कहीं न कहीं हम सनसनी में जी रहे हैं। हमने असली हीरो, असली प्रेरणा को लोगों तक पहुंचाना कम या बंद कर दिया है। यहां हम यह बताना अपना दायित्व समझते हैं कि मानस जैसी महान प्रतिभा ही असल पत्रकारिता है। मानस ने जो काम किया है वह किसी भी क्रिकेट से कतई कम नहीं है। ऐसे में यदि सिर्फ पीआर और सनसनी के पीछे दौड़ने वाले लोग वह सम्मान कभी अर्जित नहीं कर सकते जो वे अपने लिए चाहते हैं।

बेस्ट प्रशासन का 'हंटर'

121 ड्राइवर बर्खास्त, 1479 कंडक्टर निलंबित

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली बेस्ट बसों के परिचालन और सुरक्षा को लेकर विधान परिषद में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सदन को सूचित किया कि पिछले कुछ वर्षों में हादसों और अन्य गंभीर कारणों के चलते कुल 121 ड्राइवरों को बर्खास्त और 1479 कंडक्टरों को निलंबित किया गया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा दिए गए लिखित जवाब के अनुसार, साल 2022 से 2025 के बीच अनुशासनहीनता और हादसों

की वजह से बेस्ट के 121 ड्राइवरों की छुट्टी (बर्खास्तगी) कर दी गई है। वहीं, विभिन्न कारणों से 1479 बस कंडक्टरों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। सदन में नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने मुंबई की असल हकीकत बयां की।

न्यूज़ ब्रीफ

घर में घुसकर छेड़छाड़ और गहनों की लूट

नवी मुंबई। दिघा इलाके में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है, जहाँ पुरानी रंजिश के चलते एक घर में घुसकर न केवल तोड़फोड़ की गई, बल्कि नाबालिग से छेड़छाड़ और लाखों के गहनों की लूट को भी अंजाम दिया गया। हैरानी की बात यह है कि दिसंबर 2025 की इस घटना में पुलिसिया ढिलाई के बाद, पीड़ित परिवार को न्याय के लिए अदालत की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट के कड़े रुख के बाद अब मुख्य आरोपी त्रिभुवन लाल बिहारी सिंह और उसके साथियों पर शिकंजा कसा गया है। घटना की जड़ें 14 दिसंबर 2025 की एक मारपीट से जुड़ी हैं। आरोपी त्रिभुवन सिंह को शक था कि उसके दोस्त बुद्धप्रकाश के साथ हुए झगड़े में पीड़िता के पति का हाथ है। इसी 'शक़' का बदला लेने के लिए अगले दिन दोपहर 4 बजे वह अपने 15-20 साथियों के साथ हमला करने पहुँच गया। हमलावरों ने सावित्रीबाई फुले नगर स्थित पीड़ित के घर और दुकान को निशाना बनाया। शोकेस के कांच तोड़ दिए गए और घर के सामान को तहस-नहस कर दिया गया। इस अचानक हुए हमले से पूरे इलाके में दहशत फैल गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। आरोप बेहद गंभीर हैं।

सिद्धेश्वर जलकुंभ पर पाइपलाइन मरम्मत कार्य के कारण जल कटौती

ठाणे। ठाणे नगर निगम के उथलसर प्रभाग के अंतर्गत सिद्धेश्वर जलकुंभ में नई पाइपलाइन बिछाने का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। इस प्रक्रिया के दौरान 600 mm व्यास वाली आउटलेट पाइपलाइन को स्थानांतरित (Shift) करना अनिवार्य हो गया है। इस तकनीकी कार्य को संपन्न करने के लिए गुरुवार, 12 मार्च को सुबह 9 बजे से शुक्रवार, 13 मार्च सुबह 9 बजे तक कुल 24 घंटे के लिए जलापूर्ति पूरी तरह से बंद रखी जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए यह कदम उठाना आवश्यक है। इस शटडाउन का प्रभाव उथलसर और नौपाड़ा प्रभाग समिति के कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ेगा। मुख्य रूप से सिद्धेश्वर तालाब क्षेत्र, रमाबाई आंबेडकर नगर, गणेशवाड़ी, नितिन कंपनी, पाचपखाड़ी, सरोवर दर्शन, चंदनवाड़ी, हंसनगर, खोपट, फ्लावर वैली, कोलबाड़ और गोकुलनगर के साथ-साथ चराई, धोबिअली और मनपा मुख्यालय के आसपास के इलाकों में पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। ठाणे मनपा ने सभी प्रभावित नागरिकों से अपील की है कि वे कटौती की अवधि के दौरान उपलब्ध पानी का अत्यंत संयम और सावधानी से उपयोग करें तथा इस कार्य में नगर निगम का सहयोग करें।

खुले आसमान के नीचे रात काटने को मजबूर लाड़ली बहनें

उल्हासनगर। उल्हासनगर और अंबरनाथ के सीमा विवाद के बीच प्राचीन शिव मंदिर सौंदर्यीकरण परियोजना ने एकता नगर के दर्जनों परिवारों के लिए 'तबाही' का मंजर खड़ा कर दिया है। शनिवार सुबह हुई इस बड़ी तोड़क कार्रवाई में 40-50 वर्षों से बसे 31 परिवारों के आशियाने कुछ ही मिनटों में मलबे के ढेर में तब्दील हो गए। एक तरफ जहाँ देश महिला दिवस और 'लाड़ली बहना' जैसी योजनाओं का जश्न मना रहा है, वहीं दूसरी ओर एकता नगर की सैकड़ों महिलाएं अपने छोटे बच्चों के साथ खुले आसमान के नीचे रात गुजारने को मजबूर हैं। उल्हासनगर-5 स्थित एकता नगर में शनिवार की सुबह किसी दुःस्वप्न जैसी रही।

अवैध नहीं, अब 'रेगुलर' कहलाएंगे वसई-विरार के घर

पेंडिंग ओसी के लिए आएगी 'अभय योजना'
राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने दिए पॉलिसी बनाने के निर्देश

ओपी यादव । वसई/मुंबई

वसई-विरार क्षेत्र के हजारों घर खरीदारों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने विधानसभा में घोषणा की है कि सरकार उन इमारतों को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट देने के लिए सकारात्मक है, जिनका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। सरकार यहाँ मुंबई की तर्ज पर 'अभय योजना' लागू करने पर विचार कर रही है, जिससे अटके हुए प्रमाण पत्र जारी करने का रास्ता साफ होगा।

अधर में अटकी 1,100 इमारतें

वसई-विरार नगर निगम क्षेत्र में लगभग 2,300 इमारतों को निर्माण शुरू करने की अनुमति (CC) दी गई थी। इनमें से 1,200 इमारतों को तो ओसी मिल चुका है, लेकिन बाकी करीब 1,100 इमारतें तकनीकी या कानूनी कारणों से अटकी हुई हैं। विधायक स्नेहा दुबे द्वारा उठाए गए सुझावों पर संज्ञान लेते हुए सरकार ने अब इस पर नीति बनाने का मन बनाया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जुलाई 2025 की रिव्यू मीटिंग में निर्देश दिए थे कि वसई-विरार के लिए एक विशेष अभय योजना और कंस्ट्रक्शन कंप्लीशन सर्टिफिकेट पॉलिसी तैयार की जाए। इसका मकसद उन लोगों को राहत देना है जो घर खरीदकर भी कानूनी पेचीदगियों के कारण नागरिक सुविधाओं से वंचित हैं।

ओसी मिलते ही दूर होंगी मुश्किलें

जिन इमारतों के पास ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट नहीं होता, उन्हें नगर निगम की ओर से 'अवैध' या 'अनियमित' माना जाता है। ओसी मिलने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि निवासियों को नियमित पानी की सप्लाई, सही दरों पर बिजली और अन्य म्युनिसिपल सुविधाएँ आसानी से मिलने लगेंगी।

कमिश्नर की अध्यक्षता में 'एक्शन प्लान'

विभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक तत्काल बैठक बुलाई जाएगी। इस बैठक में उन इमारतों की सूची तैयार की जाएगी जो नियमों के दायरे में आती हैं और जिन्हें 'अभय योजना' के तहत राहत दी जा सकती है।

एक ही ठेका, दो कंपनियाँ और करोड़ों के बिल

सीवेज के नाम पर करोड़ों की हेराफेरी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के रखरखाव और संचालन के नाम पर एक बड़े वित्तीय घोटाले का आरोप लगा है। भाजपा के वरिष्ठ नगरसेवक मनोहर डुंबरे ने दावा किया है कि एक ठेकेदार ने फर्जी कंपनी बनाकर निगम को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है और अधिकारियों की मिलीभगत से उसे फिर से करोड़ों का नया ठेका देने की तैयारी चल रही है। नगरसेवक के अनुसार, ठाणे मनपा ने सीवेज प्लांट के मेंटेनेंस का ठेका 'मेसर्स ए.के. इलेक्ट्रिकल एंड वर्क्स' को दिया था। लेकिन खेल तब शुरू हुआ जब इसी ठेकेदार ने 'एम.ए.के. इलेक्ट्रिकल एंड वर्क्स' नाम से एक दूसरी पार्टनरशिप फर्म बना ली। आरोप है कि काम एक ही था, लेकिन बिल दो अलग-अलग कंपनियों और अलग-अलग बैंक खातों के नाम पर वसूले गए, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।

2021 में खुलासा, फिर भी 'मेहरबान' है प्रशासन

मनोहर डुंबरे का दावा है कि इस फर्जीवाड़े की जानकारी 3 नवंबर 2021 को ही सामने आ गई थी। नियमानुसार, धोखाधड़ी करने वाले ठेकेदार को तुरंत 'ब्लैकलिस्ट' (काली सूची में डालना) किया जाना चाहिए था और आपराधिक केस दर्ज होना था। लेकिन हैरानी की बात यह है कि कार्रवाई के बजाय उसी ठेकेदार को 10 साल के लिए 38 करोड़ रुपये का नया काम सौंपने की प्रक्रिया चल रही है।

अनुभव का फर्जी आधार?

शिकायती पत्र में कहा गया है कि जिस कंपनी को काम दिया गया, उसका जीएसटी पंजीकरण 2017 का है। उसी अनुभव के आधार पर उसे करोड़ों के टेंडर मिले। भाजपा नगरसेवक ने टीएमसी आयुक्त सौरभ राव से अपील की है कि वे इस भ्रष्टाचार की फाइल खोलें और जनता के पैसे की लूट मचाने वालों को सलाखों के पीछे पहुँचाएँ।

कोपरी प्लांट: बिजली उत्पादन में 'घपला'

घोटाले की जड़ें और गहरी हैं। आरोप है कि कोपरी स्थित प्लांट में सीवेज के पानी (Sewerage Water) से बिजली बनाने के नाम पर मनपा से 10 करोड़ रुपये लिए गए। हकीकत में वहां सोलर सिस्टम (सौर ऊर्जा) से बिजली बनाई जा रही थी। इसके अलावा, अनुबंध के अनुसार मनपा को मिलने वाली 10% रॉयल्टी का भी आज तक अता-पता नहीं है। नगरसेवक ने सीधे तौर पर मनपा के मैकेनिकल विभाग के एक डिप्टी इंजीनियर की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि उन्हीं के आशीर्वाद से यह ठेकेदार सालों से फल-फूल रहा है। डुंबरे ने मांग की है कि टेंडर प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए और इस पूरे 'सिंडिकेट' की उच्च स्तरीय जांच हो।

ठाणे में 'आग' उगल रहा है आसमान

पारा पहुँचा 40 डिग्री के पार
जिला सिविल सर्जन ने जारी की हेल्थ एडवायजरी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में मार्च के पहले ही हफ्ते में कुदरत के तेवर तीखे हो गए हैं। मंगलवार को शहर का पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुँचा, जिसने पिछले कई सालों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं के कारण ठाणे के नागरिकों का जीना मुहाल हो गया है, और दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है।

सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा तपिश

आमतौर पर मार्च की शुरुआत में ठाणे का अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री के आसपास रहता है। लेकिन इस साल ग्लोबल वार्मिंग और स्थानीय मौसमी बदलावों के कारण तापमान में 4 से 5 डिग्री की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मनपा आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, न्यूनतम तापमान भी 26 डिग्री तक पहुँच गया है, जिससे रातें भी गर्म होने लगी हैं।

दोपहर में 'अघोषित कर्फ्यू' जैसे हालात

सुबह की हल्की ठंडक के बाद जैसे ही सूरज सिर पर आता है, गर्मी का जोर बढ़ने लगता है। दोपहर 12 से 4 बजे के बीच सड़कों पर ट्रैफिक काफी कम देखा जा रहा है। लोग मजबूरी में ही बाहर निकल रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ता कंक्रीट और पेड़ों की कमी शहर को 'हीट आइलैंड' बना रही है। डॉक्टरों के अनुसार, इतनी तेज धूप सीधे संपर्क में आने पर डिहाइड्रेशन (पानी की कमी), चक्कर आना, कमजोरी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। आंखों के सामने अंधेरा छाना या झिलमिलाहट महसूस होना भी इसके शुरुआती लक्षण हैं।

सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार के 'देसी' नुस्खे

ठाणे जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए नागरिकों के लिए एक आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श जारी किया है, जिसमें उन्होंने शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने पर विशेष जोर दिया है। डॉ. पवार ने सुझाव दिया है कि इस मौसम में नागरिकों को हल्के रंग के और सूती कपड़े पहनने चाहिए ताकि त्वचा को राहत मिले, साथ ही बाहर निकलते समय धूप का चश्मा, टोपी या छाते का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए ताकि सीधी धूप से बचा जा सके। स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उन्होंने हाइड्रेशन को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए सलाह दी है कि केवल सादा पानी ही नहीं, बल्कि नींबू पानी, छाछ, लस्सी और ओआरएस (ओरल रीहाइड्रेशन साल्ट) का घोल नियमित अंतराल पर लेते रहें ताकि शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बना रहे और हीट स्ट्रोक जैसी गंभीर स्थितियों से बचा जा सके।

मामूली विवाद में उजड़ गया हंसता-खेलता परिवार

सफाईकर्मी की नृशंस हत्या, पति का शव देख पत्नी ने भी तोड़ा दम

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर से एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। कचरा उठाने जैसे मामूली विवाद ने न केवल एक सफाईकर्मी की जान ले ली, बल्कि उसके गम में पत्नी के आत्मघाती कदम ने दो मासूम बच्चों के सिर से माता-पिता दोनों का साया छीन लिया।

आरोपी गिरफ्तार, सहायता का आश्वासन

सेंट्रल पुलिस स्टेशन की टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके पर पहुँचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने पुष्टि की है कि आरोपी दुर्गेश गुप्ता को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, महापौर अश्विनी कमलेश निकम ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए पीड़ित बच्चों को मुआवजा और उचित सहायता दिलाने का भरोसा दिया है।

कचरे के डिब्बे से शुरू हुई 'मौत की तकरार'

शहद गावठान के रहने वाले 32 वर्षीय महादु जगताप कोनार्क एनवायरो कंपनी में सफाईकर्मी थे। आरोपी दुर्गेश कुमार गुप्ता चाहता था कि महादु उसके घर के अंदर से कचरा उठाए, जबकि महादु का कहना था कि नियम के मुताबिक कचरा कूड़ेदान (डस्टबिन) में डालना चाहिए। सोमवार सुबह इसी बात पर बहस इतनी बढ़ी कि गुप्ता ने आपा खो दिया।

32 बार कोयते से वार और हैवानियत

क्रोध में अंधे हुए आरोपी गुप्ता ने महादु पर कोयते (एक धारदार हथियार) से हमला कर दिया। चश्मदीदों और पुलिस के अनुसार, आरोपी ने महादु पर 32 बार वार किए। यह हमला इतना भीषण था कि महादु की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दिन-दहाड़े हुई इस हत्या से इलाके में हड़कंप मच गया।

दो मासूम बच्चे हुए अनाथ

इस दोहरी त्रासदी का सबसे दुखद पहलू यह है कि जगताप परिवार के दो छोटे बच्चे अब पूरी तरह अनाथ हो गए हैं। माँ-बाप के अचानक चले जाने से बच्चों के भविष्य पर अंधेरा छा गया है। इस घटना ने पूरे उल्हासनगर को शोक की लहर में डुबो दिया है।

पति का शव देख पत्नी का कलेजा फटा

महादु की पत्नी पूर्वा जगताप जैसे ही अस्पताल पहुँचीं और अपने पति का लथपथ शव देखा, वे गहरा सदमा बर्दाश्त नहीं कर पाईं। पति के बिछड़ने के गम में व्याकुल पूर्वा ने घर लौटकर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। कुछ ही घंटों के भीतर एक हंसता-खेलता परिवार पूरी तरह बिखर गया।

पाम बीच रोड पर 'खूनी' रफ़्तार का कहर

बाइक और रेलिंग की भीषण टक्कर; युवक का सिर धड़ से अलग, नाबालिग लड़की गंभीर
पुलिस ने दो संदिग्ध कारें जब्त कीं

नवी मुंबई। पाम बीच रोड पर हुए एक एक्सीडेंट में 24 वर्षीय युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग लड़की जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। 3 मार्च की सुबह करीब 3 बजे, जब शहर सो रहा था, तब केसर सॉलिटेयर इमारत के सामने पाम बीच रोड पर चीख-पुकार मच गई। प्रशांत जमदाड़े (24) अपनी Apache RR बाइक से हरमान कौर (17) के साथ जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि प्रशांत का सिर धड़ से अलग हो गया और उनकी तत्काल मौत हो गई।

'हिट एंड रन' पर गहराया सस्पेंस

पुलिस ने शक के आधार पर दो संदिग्ध कारों को हिरासत में लिया है। फॉरेंसिक जांच में इन कारों के नीचे खून के निशान तो मिले हैं, लेकिन चेसिस पर किसी सीधी टक्कर के निशान नहीं मिले। इससे पुलिस अब इस उलझन में है कि क्या यह वाकई 'हिट एंड रन' था या पीछे से आ रही कारों के नीचे युवक सिर्फ घिसट गया था।

रेलिंग से टकराने की 'थ्योरी'

जांच में एक नया एंगल यह सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण बाइक अचानक फिसल गई होगी और सड़क के बीच लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई। रेलिंग की धारदार बनावट के कारण शायद यह जानलेवा चोट लगी हो। इसके बाद पीछे से आ रहे वाहन उसे कुचलते हुए निकल गए होंगे, जिससे मामला और उलझ गया है।

कलिना लैब की रिपोर्ट का इंतज़ार

मामले की सच्चाई तक पहुँचने के लिए पुलिस ने वैज्ञानिक रास्ता चुना है। संदिग्ध वाहनों से मिले खून के धब्बों और मृतक के ब्लड सैंपल को मिलान के लिए कलिना फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। वहां होने वाली डीएनए प्रोफाइलिंग (DNA Profiling) से ही यह साफ होगा कि पकड़ी गई कारों का इस हादसे में असल रोल क्या था।

कचेरी पाडा में भीषण आग, दुकानें खाक

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर के कचेरी पाडा इलाके में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक लकड़ी की वखार में भीषण आग लग गई। वखार में भारी मात्रा में रखे बांस और सूखी लकड़ियों के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आशंका जताई जा रही है कि पास की झाड़ियों में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग फैलते हुए वखार तक पहुँच गई। इस हादसे की चपेट में आने से पास स्थित फ्रूट मार्केट की भी चार दुकानें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है।

दमकल विभाग की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

घटना की जानकारी मिलते ही भिवंडी अग्निशमन विभाग की तीन दमकल गाड़ियाँ तुरंत मौके पर पहुँचीं। दमकल कर्मियों ने लगभग एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे रिहायशी इलाकों की ओर फैलने से रोक लिया। राहत की बात यह रही कि इस पूरी घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया। फिलहाल पुलिस और प्रशासन आग लगने के सटीक कारणों और नुकसान के आकलन की विस्तृत जांच कर रहे हैं।

बी.जी.पी. अस्पताल बना मरीजों का सहारा

फरवरी में 3,351 लोगों ने लिया ओपीडी का लाभ

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के अंतर्गत बी.जी.पी. अस्पताल (मंजूरबाई गुलाबाई पेटिट) शहर के नागरिकों के लिए एक भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र के रूप में उभर रहा है। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित इस अस्पताल ने केवल फरवरी महीने में ही 3,351 मरीजों को ओपीडी सेवाएं प्रदान कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

ओपीडी में मरीजों का बढ़ता भरोसा

11 मार्च 2025 को शुरू हुए इस अस्पताल ने बहुत कम समय में लोगों का दिल जीत लिया है। फरवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, 3,351 मरीजों ने यहाँ बाह्य रोगी सेवा (OPD) का लाभ उठाया। अस्पताल सोमवार से शुक्रवार (सुबह 9 से शाम 4 बजे) और शनिवार (सुबह 9 से दोपहर 1 बजे) तक खुला रहता है। अस्पताल में केवल सामान्य डॉक्टर ही नहीं, बल्कि स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, दंत चिकित्सक और माइक्रोबायोलॉजिस्ट जैसे स्पेशलिस्ट तैनात हैं। दो एमबीबीएस डॉक्टरों की टीम लगातार मरीजों की निगरानी करती है, जिससे गरीबों को महंगे प्राइवेट अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

'झोलाछाप' डॉक्टरों के खिलाफ चेतावनी

महानगरपालिका के जनसंपर्क अधिकारी श्रीकांत परदेशी ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे अवैध और बिना अनुमति के क्लिनिक चलाने वाले व्यक्तियों (झोलाछाप डॉक्टरों) के झांसे में न आएँ। अगर कोई अवैध क्लिनिक चलाता दिखे, तो उसकी शिकायत तुरंत महानगरपालिका से करें।

महिलाओं और बच्चों के लिए खास इंतजाम

बी.जी.पी. अस्पताल में गर्भवती महिलाओं (खासकर हाई-रिस्क केस) की जांच और छोटे बच्चों के नियमित टीकाकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही, हर गुरुवार को फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन के सहयोग से महिलाओं के लिए 'गर्भाशय कैंसर' (Cervical Cancer) की मुफ्त जांच की सुविधा भी उपलब्ध है। अस्पताल में संक्रामक रोगों की जांच के साथ-साथ एआरवी (Anti-Rabies Vaccine) इंजेक्शन और उपचार की भी व्यवस्था है। यहाँ मरीजों को जांच के बाद जरूरी दवाएँ भी मुफ्त या बेहद रियायती दरों पर प्रदान की जाती हैं।

प्रेमिका ने दर्जी पर लगाया रेप का आरोप, गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय दर्जी, अरमान शेख को अपनी नाबालिग प्रेमिका के साथ दुष्कर्म करने और उसे शादी के लिए मजबूर करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी और पीड़िता स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र हैं और उनकी जान-पहचान सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी, जो बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने उसे ब्लैकमेल किया और उस पर विवाह के लिए अनुचित दबाव बनाया।

संगठन के हस्तक्षेप से रुका विवाह, पुलिस जांच जारी

घटना का खुलासा तब हुआ जब 6 मार्च को दोनों विवाह करने वाले थे, लेकिन एक स्थानीय संगठन के कड़े विरोध और प्रदर्शन के कारण यह शादी रुक गई। मामला पुलिस तक पहुँचने के बाद पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस पूरे प्रकरण में और कौन से तथ्य शामिल हैं।

बीच सड़क पर चाकूबाजी

दो भाइयों पर जानलेवा हमला
4 आरोपियों पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शिलफाटा इलाके में पुरानी रंजिश के चलते दो भाइयों पर चाकू से जानलेवा हमला करने की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। पुलिस की शिकायत के डर से बेखौफ आरोपियों ने बीच सड़क पर मारपीट की और धारदार हथियार से वार कर दोनों को लहूलुहान कर दिया।

अस्पताल में चल रहा है इलाज

वारदात के बाद दोनों घायल भाइयों को आनन-फानन में कल्याण फाटा स्थित क्वीन्स हॉस्पिटल ले जाया गया। चोट की गंभीरता को देखते हुए बाद में उन्हें कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। डायघर पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की विभिन्न धाराओं (जैसे धारा 118(1), 115(2) आदि) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

समतानगर रीडेवलपमेंट का 'वनवास' खत्म

- 1 अप्रैल से शुरू होगा काम
- डेवलपर की ढिलाई पर अब होगी सख्त कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांदिवली (ईस्ट) के समतानगर में रहने वाले मध्यम आय वर्ग (MIG) के परिवारों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। पिछले काफी समय से लटका हुआ रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट अब 1 अप्रैल 2026 से दोबारा पटरी पर लौटने जा रहा है। राज्य मंत्री शंभूराज देसाई ने विधान परिषद में आश्वासन दिया है कि अब इस काम की निगरानी सीधे सरकार करेगी। कांदिवली (ईस्ट) के समतानगर रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर सरकार ने डेडलाइन तय कर दी है। 1 अप्रैल 2026 से कंस्ट्रक्शन का काम फिर से शुरू हो जाएगा। सदस्य श्रीकांत भारतीय द्वारा उठाए गए सवाल पर जवाब देते हुए मंत्री शंभूराज देसाई ने साफ किया कि अब इस प्रोजेक्ट में और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डेवलपर पर लगाम

डेवलपर पर लगाम कसने के लिए सरकार ने 'रिव्यू' का सिस्टम बनाया है। हर तीन महीने में काम की प्रगति की जांच की जाएगी। अगर डेवलपर काम में देरी करता है या लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

किराए का संकट हुआ दूर

प्रोजेक्ट से विस्थापित हुए 318 फ्लैट धारकों में से 310 को मार्च 2026 तक का किराया दे दिया गया है। बाकी बचे 8 लोगों के किराए के भुगतान के आदेश भी तुरंत जारी कर दिए गए हैं। सरकार ने यह भी तय किया है कि भविष्य में सालाना किराए के बारे में निवासियों को पहले से जानकारी दी जाएगी ताकि उन्हें किसी के आगे हाथ न फैलाना पड़े।

सभी पक्षों के साथ होगी 'महा-बैठक'

विधान परिषद के सत्र के बाद इस मुद्दे पर एक बड़ी बैठक बुलाई जाएगी। इस मीटिंग में स्थानीय जन प्रतिनिधि, MHADA के अधिकारी, हाउसिंग विभाग के सीनियर अफसर और किराएदारों के प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे, ताकि भविष्य की कोई भी अड़चन तुरंत सुलझाई जा सके। मंत्री देसाई ने यह भरोसा दिलाया है कि किसी भी किराएदार को बकाया किराए के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए एक मैकेनिज्म बनाया जा रहा है ताकि डेवलपर सीधे और समय पर किराएदारों के खातों में पैसा जमा करे।

अजित पवार विमान हादसा

हादसे की शिकार क्रू मेंबर के परिवार को दी जा रही है धमकी : मिटकरी

मुंबई। अमोल मिटकरी ने हादसे में जान गंवाने वाली केबिन क्रू सदस्य पिंकी माली की मां माया माली से मुलाकात की। मिटकरी का दावा है कि उन्होंने एक व्हाट्सएप कॉल की रिकॉर्डिंग सुनी है, जिसमें वीएसआर कंपनी के मालिक कथित तौर पर पिंकी के भाई को मीडिया से दूर रहने और इस मामले पर चुप्पी साधने की धमकी दे रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर सच को दबाने की कोशिश क्यों हो रही है?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर मिटकरी ने एक और चौंकाने वाली बात साझा की। उन्होंने दावा किया कि रिकॉर्डिंग में पायलट ने बेहद आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, "अजित पवार ने इनके फ्लाइट को ठोक दिया।" मिटकरी ने पूछा कि क्या ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वालों का कोई 'अंडरवर्ल्ड' कनेक्शन है? उनके अनुसार, यह महज एक हादसा नहीं बल्कि कुछ और है। अमोल मिटकरी ने साफ शब्दों में कहा कि यह मामला जितना सीधा दिख रहा है, उतना है नहीं। उन्होंने उपमुख्यमंत्री अजित पवार (दादा) के प्रति चिंता जताते हुए कहा कि उनके साथ बड़ी साजिश हुई है और उनके साथ अन्याय किया गया है। वे इस मामले की तह तक जाने और न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं।

परिवार की न्याय की गुहार और संदेह

पिंकी माली के पिता शिवकुमार माली पहले ही इस हादसे को लेकर अपनी आशंका जता चुके हैं। उन्होंने राजनेताओं द्वारा उठाए गए 'साजिश' के दावों का समर्थन किया है। परिवार को लगता है कि यह कोई सामान्य तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि किसी बड़ी प्लानिंग का हिस्सा हो सकता है।

घरों के लिए मिल मजदूरों का हल्ला बोल

- 10 मार्च को होगा विधान भवन का घेराव
- 16 संगठनों ने मिलाया हाथ

मुंबई। गिरनी कामगारों (मिल मजदूरों) ने अपने हक की लड़ाई को एक बार फिर सड़कों पर उतारने का फैसला किया है। वर्षों से अपने घर का सपना देख रहे मजदूरों का धैर्य अब जवाब दे गया है, जिसके चलते मंगलवार, 10 मार्च को विधान भवन के घेराव की बड़ी तैयारी की गई है।

16 संगठनों की एकजुट ताकत

'गिरनी कामगार संयुक्त संघर्ष समिति' के बैनर तले मुंबई के 16 बड़े ट्रेड यूनियन एक साथ आ गए हैं। इसमें राष्ट्रीय मिल मज़दूर संघ जैसे प्रभावी संगठन भी शामिल हैं। मजदूरों का कहना है कि अब बैठकों का दौर खत्म हुआ, अब सड़कों पर उतरने का समय है।

भावनाओं के साथ खिलवाड़ का आरोप

मजदूर नेताओं का आरोप है कि जुलाई 2025 में हुए आंदोलन के बाद सरकार ने 'पॉजिटिव' फैसले का भरोसा दिया था, लेकिन वह केवल एक छलावा साबित हुआ। सरकार ने मजदूरों की उम्मीदें जगाकर उनके साथ विश्वासघात किया है, जिससे कामगारों के परिवारों में भारी गुस्सा है। इस मोर्चे की गूँज केवल मुंबई तक सीमित नहीं रहेगी। ठाणे, कोंकण और पश्चिम महाराष्ट्र सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से हजारों मिल मजदूर और उनके उत्तराधिकारी (वारिस) इस घेराव में शामिल होने के लिए निकल चुके हैं। राष्ट्रीय मिल मज़दूर संघ के जनरल सेक्रेटरी गोविंदराव मोहिते ने साफ कर दिया है कि यह विरोध प्रदर्शन सरकार को नींद से जगाने के लिए है। अगर अब भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप ले सकता है

क्या हैं मुख्य मांगें?

- मुंबई में ही घर: मजदूरों की स्पष्ट मांग है कि उन्हें शहर से बाहर नहीं, बल्कि मुंबई की सीमाओं के भीतर ही घर दिए जाएं।
- बने हुए घरों का कब्जा: जो घर बनकर तैयार हैं, उन्हें तुरंत रिलीज कर पात्र मजदूरों को सौंपा जाए।
- 15 साल का इंतजार खत्म हो: पिछले डेढ़ दशक से जो मजदूर कागजी कार्रवाई और लॉटरी के इंतजार में फंसे हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाए।

'भरोसा सेल' ने घटाया दहेज़ का ग्राफ

- 2022 में 180 से घटकर 2025 में 138 हुए मामले

दहेज के खिलाफ 'महाराष्ट्र मॉडल'

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में सोमवार को दहेज प्रथा के खिलाफ जंग और सरकारी प्रयासों पर एक अहम चर्चा हुई। राज्य मंत्री पंकज भोयर ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए दावा किया कि कड़े कानूनों और सामाजिक जागरूकता के कारण पिछले पांच वर्षों में दहेज से जुड़े अपराधों में कमी आई है। मंत्री पंकज भोयर द्वारा पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, साल 2022 में दहेज के 180 मामले दर्ज किए गए थे, जो साल 2025 में घटकर 138 रह गए हैं। सरकार इसे अपनी कानूनी सख्ती और जागरूकता अभियानों की जीत मान रही है। हालांकि, गिरफ्तारियों के आंकड़े भी यह दर्शाते हैं कि पुलिस तंत्र इस मामले में सक्रिय है।

राज्य सरकार ने महाराष्ट्र दहेज निषेध नियम, 2003 को प्रभावी ढंग से लागू करने का दावा किया है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सिर्फ राजधानी में ही नहीं, बल्कि जिला और तालुका स्तर पर भी दहेज प्रतिषेध अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा, 'भरोसा सेल' जैसी व्यवस्थाएं पीड़ितों को 24 घंटे कानूनी और मानसिक संबल दे रही हैं।

विपक्ष की 'पैनी' नजर और सवाल

कांग्रेस विधायक ज्योति गायकवाड़ ने कानून के बावजूद बनी समस्या पर चिंता जताते हुए जिलेवार ब्यौरा मांगा। वहीं, नितिन राउत ने एक कड़वी सच्चाई सामने रखी कि आज भी पीड़ित महिलाएं थानों में शिकायत दर्ज कराने से कतराती हैं। भाजपा के विक्रम सतपुते ने अधिकारियों की जवाबदेही और त्रैमासिक रिपोर्ट की नियमितता पर सवाल उठाकर प्रशासन को घेरा। चर्चा के दौरान एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके ने एक अलग सामाजिक पहलू की ओर ध्यान खींचा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण इलाकों में पुरुषों के अविवाहित रहने के पीछे छिपे सामाजिक-आर्थिक कारणों का भी दहेज और विवाह की प्रथाओं पर असर पड़ रहा है। मंत्री भोयर ने आश्वासन दिया कि इन सभी पहलुओं पर विचार कर सुरक्षा ढांचे को और मजबूत किया जाएगा।

मुंबई इंजीनियरिंग छात्र अयान शेख की रिमांड बढ़ी

8 ईमेल आईडी और टेलीग्राम ग्रुप 'इस्लामिक पॉलिटिक्स' के जरिए कट्टरपंथी प्रचार का है आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

इंजीनियरिंग छात्र के आतंकी कनेक्शन और कट्टरपंथी गतिविधियों के मामले में सोमवार को मुंबई की एक अदालत ने अयान की पुलिस हिरासत 12 मार्च तक बढ़ा दी है। महाराष्ट्र एटीएस (ATS) अब उसके डिजिटल फुटप्रिंट्स और 'धर्मांतरण कनेक्शन' जैसे गंभीर पहलुओं की बारीकी से जांच कर रही है। सोमवार को अयान शेख की पिछली कस्टडी खत्म होने पर उसे अदालत में पेश किया गया। एटीएस ने मामले की संवेदनशीलता और नए सुरागों का हवाला देते हुए 8 दिनों की रिमांड मांगी थी। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अयान को 12 मार्च तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया है।

8 ईमेल आईडी और जब्त डिजिटल डिवाइस

एटीएस के हाथ अयान के दो मोबाइल फोन और एक लैपटॉप लगे हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी 8 अलग-अलग ईमेल आईडी का इस्तेमाल कर रहा था। इन सभी डिवाइस की फॉरेंसिक जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन-किन लोगों के संपर्क में था और क्या किसी बड़े हमले या साजिश की प्लानिंग चल रही थी।

'इस्लामिक पॉलिटिक्स' और विदेशी कनेक्शन

जांच में सामने आया है कि अयान 'इस्लामिक पॉलिटिक्स' नाम के एक टेलीग्राम ग्रुप में बेहद सक्रिय था। इस ग्रुप में न केवल प्रतिबंधित संगठनों की विचारधारा का प्रचार होता था, बल्कि इसमें कई विदेशी सदस्य भी जुड़े थे। अयान पर आरोप है कि वह नफरत फैलाने वाली पोस्ट को न केवल लाइक करता था, बल्कि दूसरे लोगों को टैग करके उन्हें पढ़ने के लिए उकसाता भी था।

धर्मांतरण और निकाह का 'आतंकी कनेक्शन'

उत्तर प्रदेश और आगरा से जुड़े इनपुट्स में यह भी अंदेशा जताया गया है कि अयान का संबंध एक ऐसे गिरोह से हो सकता है जो युवतियों को प्रेम जाल में फंसाकर उनका धर्मांतरण और निकाह करवाता था। पुलिस इस बात की गहराई से पड़ताल कर रही है कि क्या इस 'हनी ट्रैप' या धर्मांतरण के पीछे कोई आतंकी फंडिंग या बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है।

अदालत में अयान ने खुद को बेगुनाह बताते हुए कहा कि एटीएस उस पर जुर्म कबूलने का दबाव बना रही है। उसके वकील इब्राहिम ने तर्क दिया कि किसी टेलीग्राम ग्रुप का हिस्सा होने मात्र से किसी पर UAPA (यूएपीए) जैसी सख्त धाराएँ नहीं लगाई जा सकतीं। हालांकि, एटीएस का कहना है कि उसके पास अयान की सक्रिय भागीदारी के पुख्ता सबूत हैं।

गुलाम पर सियासी घमासान

वडेट्टीवार के हमले पर भाजपा का करारा जवाब

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत में 'शब्दों के बाण' एक बार फिर मर्यादा की सीमा लांघते दिख रहे हैं। विपक्ष के नेता विजय वडेट्टीवार द्वारा सरकार पर लगाए गए 'गुलामी' के आरोपों पर भाजपा विधायक अतुल भातखलकर ने तीखा पलटवार किया है। अंतरराष्ट्रीय तनाव और आर्थिक स्थिति के बीच छिड़ी यह जुबानी जंग अब व्यक्तिगत छींटाकशी तक पहुँच गई है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार उद्योगपतियों के इशारों पर नाच रही है और भाजपा नेता अपने आलाकमान के ₹गुलाम₹ बन चुके हैं। इस शब्द ने भाजपा खेमे में हलचल मचा दी और जवाबी हमले की कमान अतुल भातखलकर ने संभाली। अतुल भातखलकर ने वडेट्टीवार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जो लोग खुद सोनिया गांधी के प्रति निष्ठावान हैं और उनके इशारों पर काम करते हैं, उन्हें दूसरों को गुलाम कहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने वडेट्टीवार के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे केवल 'सस्ती राजनीति' करार दिया। भातखलकर ने भारत की आर्थिक मजबूती का हवाला दिया। उन्होंने दावा किया कि पूरी दुनिया में मंदी और महंगाई का शोर है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था आज भी सुचारू रूप से दौड़ रही है और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है।

मध्य रेल

सामग्री कार्य

Tender notice No. CWE/MTN/85256836A/2026 due on 02-APR-26. उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना माटुंगा। **निविदा नं** : 85256836A। **निविदा विवरण** : SCHUNK DRG. NO. 2-G01-15722 या GIPRO द्वारा निर्मित SCHUNK पेंटोग्राफ (WBL 22.03) के लिए ऑब्जेक्ट नंबर-1130041 के अनुसार पेंटोग्राफ सपोर्टिंग इंसुलेटर, जो IEC 60060-1, EN-50613:2004 और EN 50124-1:2001 या नवीनतम विनिर्देश : IEC-60060-1:2010 के अनुरूप है। **मात्रा** : 135। **नियत तारीख** : 02-APR-2026। **राशि** : 6177144। अधिक जानकारि के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर संपर्क करें।

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है 981

महापारेषण में उत्साह के साथ मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (महापारेषण) में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया, जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार ने की। इस अवसर पर उन्होंने विकसित राष्ट्र के निर्माण में महिलाओं के आत्मविश्वास और शक्ति की महत्ता पर जोर दिया। कार्यक्रम में स्वतंत्र निदेशक विश्वास पाठक ने ऐतिहासिक वीरांगनाओं का उदाहरण देते हुए समाज और परिवार निर्माण में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित किया, जबकि कार्यकारी संचालक सुचिता भिकाने ने महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध हस्तियों के साथ हुआ विशेष संवाद रहा। सुप्रसिद्ध पार्श्वगायिका पद्मश्री अनुराधा पौडवाल ने स्मिता गवाणकर के साथ बातचीत में अपने अनुभव साझा किए। वहीं, 'चला हवा येऊ द्या' फेम डॉ. निलेश साबळे और डॉ. गौरी साबळे के साथ प्रशांत अनासपुरे ने दिलचस्प चर्चा की। इन संवादों के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ महिलाओं को सशक्त बनाने और जीवन की विभिन्न भूमिकाओं को सकारात्मकता के साथ निभाने का संदेश दिया गया।

महिला स्वावलंबन और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा

महिला दिवस के इस अवसर पर केवल चर्चा ही नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के व्यावहारिक प्रयास भी दिखे। सुचिता भिकाने के नेतृत्व में महिलाओं द्वारा तैयार स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री का आयोजन किया गया। इसमें घरेलू खाद्य पदार्थों और दालों जैसे उत्पादों की जमकर बिक्री हुई, जिसे कर्मचारियों का भरपूर समर्थन मिला। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उनके आर्थिक कौशल को एक उचित मंच प्रदान करना था।

महाराष्ट्र शासन

सार्वजनिक बांधकाम विभाग

निविदा सूचना

खालील कामाच्या निविदा कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, २ रा माळा, बांधकाम भवन, २५ मर्झबान रोड, फोर्ट मुंबई ४०० ००१ दूरध्वनी क्रमांक २२०१६९७५ हे खालील कामासाठी सा.बां. विभागात योग्य वर्गात नोंदणीकृत ठेकेदारांकडून मागवित आहेत. ब-१ को-या निविदेचा नमुना, कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयातून दिनांक १०.३.२०२६ ते १७.३.२०२६ पर्यंत देण्यांत येईल. कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई हे भरुन पाठविलेल्या सिलबंद निविदा दिनांक १८.३.२०२६ पूर्वी / त्यादिवशी दुपारी २.०० वाजेपर्यंत स्विकारतील आणि शक्यतो त्याच दिवशी उघडतील.

क्र.	कामांचे नांव	अंदाजित किंमत (रु. लाखांत)	इसारा रक्कम (रुपये)	काम पूर्ण करण्याची कालमर्यादा	निविदेचा नमूना प्रकार	को-या निविदा नमुन्याची किंमत
१	सीपी कार्यालय परिसर, एल.टी. मार्ग, मुंबई येथील पोलिस क्वार्टर्स येथे "ए" ब्लॉक रूम क्रमांक-१३१,१११, ११२ च्या नूतनीकरण करणे.	७,४३,०००/-	७,५००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
२	आमदार निवास, मुंबई येथे स्वच्छता फिटिंग, पाणीपुरवठा लाईन आणि इतर विविध कामांची दुरुस्ती आणि नूतनीकरण करणे.	८,३३,५१७/-	८,४००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
३	हायकोर्टाच्या मुख्य इमारतीतील कोर्ट रूम क्रमांक ५३ च्या मागे माननीय न्यायाधीशांच्या चेंबर क्रमांक २६,४१ मध्ये लाकडी चौकटीचे काम असलेले खोटे छत आणि शौचालय पीव्हीसी पुरवणे आणि दुरुस्ती करणे.	३,७०,२३८/-	३,८००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
४	मॅट कोर्ट मुंबई येथील सरकारी ॲडवोकेट यांचे बार रूम व सेक्शन येथे किरकोळ कामे करणे.	८,०१,५८६/-	८,२००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
५	मॅट कोर्ट मुंबई येथील कोर्ट रूम नं. २ व पॅसेज येथे किरकोळ कामे करणे.	७,९५,८०९/-	८,०००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
६	एलफिस्टन महाविदयाल येथील इमारतीमधील पहिल्या मजल्यावरील डाव्या व उजव्या बाजूला पुरुष प्रसाधनगृहाची दुरुस्ती करणे.	७,३४,८५७/-	७,४००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
७	मॅट कोर्ट मुंबई येथील कोर्ट रूम नं. १ व पॅसेज व कंम्प्युटर रूम येथे किरकोळ कामे करणे.	८,०८,१०७/-	८,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
८	एलफिस्टन महाविदयाल येथील इमारतीमधील तळमजल्यावरील पुरुष व महिला प्रसाधनगृहाची दुरुस्ती करणे.	६,०३,८६७/-	६,१००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
९	मॅट कोर्ट मुंबई येथील महिला व पुरुष प्रसाधनगृह येथे किरकोळ कामे करणे.	७,९३,७९२/-	८,०००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
१०	मॅट कोर्ट मुंबई येथील खाजगी ॲडवोकेट यांचे बार रूम व सेक्शन येथे किरकोळ कामे करणे.	७,१३,१७८/-	८,०००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
११	मॅट कोर्ट मुंबई येथील रूम व कॅबीन १,२ येथे किरकोळ कामे करणे.	८,०१,३५१/-	८,२००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
१२	एलफिस्टन महाविदयालय येथील इमारतीमधील तिस-या मजल्यावरील टेरेस शेडमध्ये प्रीकोटेड शीट प्रदान करणे व निश्चित करणे	४,७४,१८१/-	४,८००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
१३	मॅट कोर्ट मुंबई येथील मुख्य गेट कोर्ट रूम नं. ३ येथे किरकोळ कामे करणे.	७,९८,२०९/-	८,०००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
१४	सी.पी. कार्यालय, लेफ्टनंट मार्ग, मुंबई यांचे विशेष कार्य दल कार्यालय नवीन शौचालय बांधकाम करणे.	८,४२,९९०/-	८,५००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
१५	गुन्हे शाखा (एम-शाखा), मुंबई येथील प्लास्टर आणि रंगकाम आणि इतर कामांची दुरुस्ती करणे.	८,४३,७९७/-	८,५००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-
१६	मुंबईतील सी.पी. ऑफिस, कंपाऊंडमधील गार्ड चौकी क्रमांक १, २ चे नूतनीकरण करणे.	३,२२,९९९/-	३,३००/-	४ महिने	ब-१	रु. ५९०/-

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालयामध्ये सूचना फलकावार सविस्तर निविदा सूचना पहावयास मिळेल. एक किंवा सर्व निविदा कोणतेही कारण न देता रद्द ठरविण्याचा अधिकार राखून ठेवाला आहे.

जा.क्र. इरावि/निलि / २०७९

कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय, इलाखा शहर विभाग, २ रा माळा, बांधकाम भवन, २५ मर्झबान रोड, फोर्ट, बांधकाम भवन, मुंबई ४०० ००१ दिनांक - ६/३/२०२६

प्रत -उप अभियंता, दक्षिण, परिचम, मध्य उप विभाग आणि अधीक्षक आमदार निवास मुंबई यांना माहितीसाठी रवाना.
प्रत -सूचनाफलक

डीजीआयपीआर- 2025-26/सी-6416

हस्ता./-
(व्ही. ए. पाटसकर)
कार्यकारी अभियंता,
इलाखा शहर विभाग, मुंबई.

संपादकीय

नकल से मिली सफलता भविष्य के लिए खतरा

महाराष्ट्र में बोर्ड परीक्षाओं के दौरान नकल करवाने के आरोप में 81 शिक्षकों के निलंबन की खबर केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं है, बल्कि यह हमारे शिक्षा तंत्र के सामने खड़े एक गंभीर प्रश्न को भी उजागर करती है। जिस शिक्षक का दायित्व बच्चों को ज्ञान देना, उन्हें ईमानदारी और परिश्रम का पाठ पढ़ाना है, यदि वही नकल कराने लगे तो यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि शिक्षा की मूल भावना के साथ अन्याय है। परीक्षा का उद्देश्य केवल अंक प्राप्त करना नहीं होता, बल्कि यह जानना होता है कि छात्र ने पूरे वर्ष में कितना सीखा है। लेकिन जब नकल के सहारे छात्र पास हो जाते हैं, तो वे असली सीखने की प्रक्रिया से दूर हो जाते हैं। यह सफलता क्षणिक होती है, क्योंकि जीवन की असली परीक्षा में नकल काम नहीं आती। नौकरी, व्यवसाय या किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए ज्ञान, कौशल और आत्मविश्वास की आवश्यकता होती है, जो नकल से कभी प्राप्त नहीं हो सकते। नकल से पास होने वाला छात्र शुरुआत में भले ही सफल दिखाई दे, लेकिन धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास कमजोर होने लगता है। उसे यह एहसास रहता है कि उसकी सफलता उसकी मेहनत का परिणाम नहीं है। यही कारण है कि ऐसे विद्यार्थी आगे की पढ़ाई या प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में अक्सर पिछड़ जाते हैं। इस तरह नकल से मिली सफलता अंततः उनके भविष्य को अंधकारमय बना देती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि आज शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान से अधिक अंकों तक सीमित होता जा रहा है। माता-पिता, शिक्षक और समाज सभी बच्चों से अधिक अंक लाने की अपेक्षा करते हैं। इस दौड़ में सीखने की प्रक्रिया पीछे छूट जाती है। बच्चे यह समझने लगते हैं कि किसी भी तरह अच्छे अंक प्राप्त करना ही सफलता का रास्ता है। यही सोच नकल जैसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देती है। वास्तविकता यह है कि शिक्षा का लक्ष्य बच्चों को केवल परीक्षा पास करवाना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन के लिए तैयार करना होना चाहिए। यदि छात्र किसी विषय को ठीक से नहीं समझ पाया है, तो उसे समझाने की आवश्यकता है, न कि उसे नकल के सहारे अगली कक्षा में भेज देने की। बिना मजबूत आधार के आगे बढ़ने वाला छात्र भविष्य में और बड़ी कठिनाइयों का सामना करता है। यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि आखिर इतनी जल्दी किस बात की है कि बच्चे को सीखने से पहले ही अगली कक्षा में भेज दिया जाए। शिक्षा एक प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है। यदि किसी छात्र को अधिक समय चाहिए, तो उसे वह समय मिलना चाहिए। लेकिन आज के समय में शिक्षा को भी एक प्रतियोगिता की तरह देखा जाने लगा है, जहाँ परिणाम की जल्दी में प्रक्रिया की उपेक्षा हो रही है। इस समस्या का समाधान केवल सख्त कार्रवाई से नहीं होगा। शिक्षकों, अभिभावकों और समाज को मिलकर यह समझना होगा कि असली सफलता मेहनत और ईमानदारी से ही मिलती है। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता भी सीखने का एक हिस्सा है। यदि वे किसी परीक्षा में कम अंक लाते हैं, तो यह अंत नहीं है, बल्कि सुधार का अवसर है। महाराष्ट्र में शिक्षकों के खिलाफ हुई कार्रवाई एक चेतावनी है कि शिक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। लेकिन इससे भी अधिक जरूरी है कि हम शिक्षा के मूल उद्देश्य को फिर से समझें। यदि हम बच्चों को सच में सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं, तो हमें उन्हें नकल का रास्ता नहीं, बल्कि ज्ञान और परिश्रम का मार्ग दिखाना होगा। तभी शिक्षा का वास्तविक अर्थ सार्थक हो सकेगा और हमारे विद्यार्थियों का भविष्य उज्ज्वल बन सकेगा।

युद्ध की आंच और भारत की अर्थव्यवस्था

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार
जनपद रायबरेली

जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है तो निवेशक जोखिम वाले बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश की ओर रुख करते हैं। इसका असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर अधिक पड़ता है। भारत का शेयर बाजार भी इसी कारण दबाव में दिखाई देता है। विदेशी निवेश में कमी आने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है और निवेशकों का भरोसा कमजोर हो सकता है। हालांकि इन चुनौतियों के बावजूद भारत पूरी तरह कमजोर स्थिति में नहीं है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। इसका असर भारत के शेयर बाजार पर भी साफ दिखाई दे रहा है। कुछ ही दिनों में बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई है और निवेशकों की संपत्ति में लगभग 27 लाख करोड़ रुपये की कमी आ चुकी है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों कई महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। यह स्थिति केवल बाजार की अस्थिरता का संकेत नहीं है, बल्कि इसके पीछे छिपे व्यापक आर्थिक खतरे की ओर भी इशारा करती है। यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबा चलता है तो इसका प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

भारत की सबसे बड़ी चिंता ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के रूप में विदेशों से आयात करता है और इसमें पश्चिम एशिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब भी इस क्षेत्र में युद्ध या अस्थिरता बढ़ती है तो सबसे पहले कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आती है। तेल महंगा होने का असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पूरे आर्थिक ढांचे को प्रभावित करता है। परिवहन की लागत बढ़ जाती है, उद्योगों के उत्पादन खर्च में वृद्धि होती है और अंततः महंगाई का दबाव आम लोगों तक पहुंचता है।

तेल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर आर्थिक वृद्धि पर भी पड़ता है। जब उद्योगों की लागत बढ़ती है और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति घटती है तो बाजार में मांग कमजोर होने लगती है। इससे उत्पादन और निवेश दोनों प्रभावित होते हैं। भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह स्थिति चुनौतीपूर्ण हो सकती है क्योंकि यहां आर्थिक विकास की गति को बनाए रखना जरूरी है। यदि युद्ध लंबे समय तक चलता है तो भारत के चालू खाते का घाटा भी बढ़

सकता है, क्योंकि आयात महंगा होगा और विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ेगा।

पश्चिम एशिया भारत के लिए केवल ऊर्जा का स्रोत ही नहीं है, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण व्यापारिक क्षेत्र भी है। भारत के लिए यह क्षेत्र निर्यात और आयात दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध के कारण समुद्री मार्गों में बाधा आती है या परिवहन लागत बढ़ती है तो इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ेगा। भारत के कई उद्योग ऐसे हैं जो इस क्षेत्र से आने वाले कच्चे माल पर निर्भर हैं। उर्वरक, पेट्रोकेमिकल और रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है। व्यापार में बाधा आने से निर्यात प्रभावित हो सकता है और आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी पड़ सकती है। इस संकट का एक महत्वपूर्ण पहलू पश्चिम एशिया में काम कर रहे भारतीयों से भी जुड़ा है। लाखों भारतीय इस क्षेत्र में रोजगार करते हैं और हर वर्ष बड़ी मात्रा में धन भारत भेजते हैं। यह धन भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण स्रोत है।

इसके अलावा वैश्विक निवेशकों का व्यवहार भी युद्ध के समय बदल जाता है। जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है तो निवेशक जोखिम वाले बाजारों से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश की ओर रुख करते हैं। इसका असर उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर अधिक पड़ता है। भारत का शेयर बाजार भी इसी कारण दबाव में दिखाई देता है। विदेशी निवेश में कमी आने से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है और निवेशकों का भरोसा कमजोर हो सकता है। हालांकि इन चुनौतियों के बावजूद भारत पूरी तरह कमजोर स्थिति में नहीं है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था है। यहां का विशाल उपभोक्ता बाजार और तेजी से बढ़ता सेवा क्षेत्र आर्थिक गतिविधियों को गति देता है। यही कारण है कि वैश्विक संकट के समय भी भारत की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ठहरती नहीं है। इसके अलावा भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण की दिशा में भी कदम उठाए हैं।

भारत के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार है, जो ऐसे संकट के समय आर्थिक स्थिरता बनाए रखने में सहायक होता है। मजबूत बैंकिंग व्यवस्था और नियामकीय ढांचा भी वित्तीय प्रणाली को बड़े झटकों से बचाने में मदद करता है। यही कारण है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था में दीर्घकालिक संभावनाएं बनी रहती हैं।

फिर भी यह संकट एक महत्वपूर्ण चेतावनी है। यह स्पष्ट करता है कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता केवल विकास की रणनीति नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी हिस्सा है। यदि भारत को भविष्य में ऐसे वैश्विक संकटों से कम प्रभावित होना है तो उसे वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ावा देना होगा। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश बढ़ाना समय की आवश्यकता है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। किसी एक क्षेत्र का युद्ध हजारों किलोमीटर दूर बैठे देशों की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर सकता है। भारत के लिए यह समय सावधानी, दूरदृष्टि और संतुलित आर्थिक नीति अपनाने का है। यदि संकट लंबा चलता है तो चुनौतियां बढ़ेंगी, लेकिन मजबूत आर्थिक आधार और सही नीतियों के सहारे भारत इस कठिन दौर का सामना कर सकता है।

हमारी गीता

अर्जुन की ऋजुता और श्रेय का मार्ग

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के कुरुक्षेत्र में अर्जुन का व्यक्तित्व केवल एक श्रेष्ठ धनुर्धर का नहीं, बल्कि एक 'ऋजु' और आदर्श मनुष्य का प्रतीक है। 'अर्जुन' शब्द का अर्थ ही है— सरल और निष्कपट। जहाँ दुर्योधन के भीतर भय और अपराधबोध का अंधकार है, जिसे वह मिथ्या स्वाभिमान और बनावटी निडरता से ढंकने का प्रयास करता है, वहीं अर्जुन पूरी तरह पारदर्शी हैं। उनके मन में जो द्वंद्व है, वही उनकी वाणी में भी व्यक्त होता है। वे अंदर और बाहर एक समान हैं, जो उनके चरित्र की महानता को दर्शाता है। अर्जुन की सरलता एक छोटे बालक जैसी निष्पाप है, जो कहानी के पात्रों के अनुसार भावुक हो जाता है। जैसे एक बच्चा राक्षसों के नाम से डरता है और परियों की कथा से उत्साहित होता है, वैसी ही कोमलता अर्जुन के स्वभाव में है। वह धर्मवान, सात्विक और सर्वहितकारी हैं। उनका युद्ध न करने का निर्णय किसी कायरता से नहीं, बल्कि अत्यधिक करुणा और अपनों के प्रति संवेदना से उपजा है।

अर्जुन की क्षमाशीलता और निर्भयता उन्हें एक सामान्य योद्धा से कहीं ऊपर ले जाती है। युद्ध का सामान्य नियम है कि निहत्थे पर वार नहीं करना चाहिए, परंतु अर्जुन की महानता देखिए—वे स्वयं शस्त्र त्यागकर प्रतिकार न

करने की सीमा तक चले जाते हैं। वे स्पष्ट कहते हैं कि यदि शत्रु उन पर आक्रमण भी करे, तब भी वे शस्त्र नहीं उठाएंगे। यह पलायन नहीं, बल्कि उनकी चारित्रिक श्रेष्ठता और अहिंसक भाव का प्रमाण है। एक ओर जहाँ दुर्योधन अहंकारवश कहता है कि ‘ये सब मेरे लिए मरने को तैयार हैं’, वहीं दूसरी ओर अर्जुन स्वयं के सुख और सत्ता का त्याग कर सबको जीवनदान देना चाहते हैं। उन्हें स्वयं के लिए किसी विजय या साम्राज्य की लालसा नहीं है। उनमें मृत्यु का भय रत्ती भर भी नहीं है, बल्कि वे अपनों के अनिष्ट और कुल के विनाश की चिंता में डूबे हैं। यही वह निस्वार्थ भाव है जो उन्हें एक सच्चा 'आदर्श' बनाता है। अंततः अर्जुन का द्वंद्व 'प्रेय' और 'श्रेय' के बीच का चुनाव है, जो हर मनुष्य के जीवन में आता है।

शख्सियत | चुक्का रामैया

शिक्षा से समाज बदलने वाले महान शिक्षक

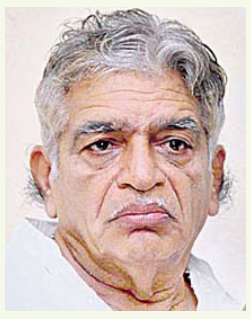

भारत में कई ऐसे लोग हुए हैं जिन्होंने अपने जीवन को समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। ऐसे ही महान व्यक्तित्वों में से एक नाम है चुक्का रामैया का। वे केवल एक शिक्षक नहीं थे, बल्कि शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा साधन मानने वाले एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व थे। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि यदि कोई व्यक्ति सच्चे मन से शिक्षा और समाज की सेवा का संकल्प ले ले, तो वह हजारों-लाखों लोगों के जीवन में बदलाव ला सकता है।

चुक्का रामैया का जन्म 10 मार्च 1928 को तेलंगाना के एक साधारण परिवार में हुआ था। उनका बचपन आर्थिक कठिनाइयों में बीता। संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने शिक्षा को अपने जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य बनाया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई पूरी की और आगे चलकर शिक्षक बनने का निर्णय लिया। उनके लिए शिक्षा केवल नौकरी का साधन नहीं थी, बल्कि समाज को जागरूक और मजबूत बनाने का माध्यम थी।

चुक्का रामैया का नाम विशेष रूप से गणित के एक उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में प्रसिद्ध हुआ। वे विद्यार्थियों को केवल किताबों तक सीमित ज्ञान नहीं देते थे, बल्कि उन्हें सोचने और समझने की प्रेरणा भी देते थे। उनके पढ़ाने का तरीका इतना सरल और प्रभावी था कि कठिन से कठिन विषय भी विद्यार्थियों को आसानी से समझ में आ जाता था। यही कारण है कि उनके पढ़ाए हुए हजारों छात्र आगे चलकर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में पहुंचे और समाज में महत्वपूर्ण स्थान हासिल किया।

उन्होंने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा गरीब और साधारण परिवारों के बच्चों को पढ़ाने में लगाया। उनका मानना था कि प्रतिभा केवल अमीर परिवारों में ही नहीं होती, बल्कि गांव और गरीब घरों में भी अनेक प्रतिभाशाली बच्चे होते हैं। जरूरत केवल उन्हें सही मार्गदर्शन देने की होती है। इसी सोच के साथ उन्होंने ऐसे छात्रों को आगे बढ़ाने के लिए लगातार काम किया जो आर्थिक रूप से कमजोर थे लेकिन पढ़ाई में आगे बढ़ना चाहते थे।

चुक्का रामैया का जीवन केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहा। वे सामाजिक और राजनीतिक रूप से भी सक्रिय रहे। उन्होंने समाज में समानता, शिक्षा और सामाजिक न्याय के लिए आवाज उठाई। बाद में वे सार्वजनिक जीवन में भी आए और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाया। उनका मानना था कि यदि किसी देश को वास्तव में मजबूत बनाना है, तो सबसे पहले उसकी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे हमेशा सादगीपूर्ण जीवन जीते रहे। लोकप्रियता और सम्मान मिलने के बावजूद उन्होंने कभी अहंकार को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। उनके लिए सबसे बड़ी खुशी अपने विद्यार्थियों की सफलता थी। जब उनके छात्र जीवन में आगे बढ़ते थे और समाज में अच्छा काम करते थे, तो वे उसे अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानते थे।

आज भी हजारों छात्र उन्हें एक महान शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में याद करते हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्चा शिक्षक वही होता है जो केवल पाठ्यपुस्तक का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि अपने छात्रों के भीतर आत्मविश्वास, ईमानदारी और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी जगाता है।

जीवन ऊर्जा

हैरियट टबमैन : जन्म - 10 मार्च 1822 | जन्म

हैरियट टबमैन का जन्म प्रचलित रूप से 10 मार्च 1822 को मैरीलैंड, अमेरिका में माना जाता है। वे गुलामी प्रथा के खिलाफ संघर्ष की महान प्रतीक थीं। गुलामी से मुक्त होने के बाद उन्होंने “अंडरग्राउंड रेलरोड” नामक गुप्त नेटवर्क के माध्यम से सैकड़ों गुलामों को आज़ादी दिलाने में मदद की। उनका निधन 10 मार्च 1913 को हुआ। उनका जीवन साहस, स्वतंत्रता और मानवाधिकार के संघर्ष की प्रेरक कहानी है।

साहसी लोग ही इतिहास बनाते हैं

हर बड़ा सपना साहस से शुरू होता है, स्वतंत्रता मनुष्य का सबसे बड़ा अधिकार है, यदि आप आज़ाद होना चाहते हैं तो डर को पीछे छोड़ना होगा, मैंने हमेशा ईश्वर पर भरोसा रखा और आगे बढ़ती रही, जब रास्ता कठिन हो तब भी हार मत मानो, अन्याय के सामने चुप रहना भी अन्याय का साथ देना है, साहस वही है जो डर के बावजूद सही काम करे, स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कभी व्यर्थ नहीं जाता, मानवता सबसे बड़ा धर्म है, जो दूसरों को आज़ादी दिलाता है वही सच्चा इंसान है, यदि आप गिरते हैं तो फिर उठ खड़े हों, अंधेरे में भी आशा की रोशनी होती है, ईश्वर हमेशा न्याय

के साथ खड़ा होता है, एक व्यक्ति भी बदलाव ला सकता है, दूसरों की मदद करना सबसे बड़ा काम है, डर से नहीं बल्कि विश्वास से जीवन जीना चाहिए, सच्चाई का रास्ता कठिन लेकिन महान होता है, आशा कभी मत छोड़ो, न्याय के लिए संघर्ष करते रहो, दुनिया में सबसे बड़ी ताकत मानव साहस है, जब तक एक भी व्यक्ति गुलाम है तब तक स्वतंत्रता अधूरी है, जीवन का उद्देश्य दूसरों के जीवन को बेहतर बनाना है, संघर्ष ही मनुष्य को महान बनाता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना जरूरी है, जो सही है उसके लिए डटे रहो, स्वतंत्रता के लिए त्याग जरूरी है, विश्वास और साहस से असंभव भी संभव हो सकता है, मनुष्य का सम्मान सबसे महत्वपूर्ण है, कभी हार मत मानो, अपने सपनों के लिए लड़ो, न्याय और समानता ही सच्ची सभ्यता है, साहसी लोग ही इतिहास बनाते हैं, दूसरों को रास्ता दिखाना ही सच्ची सेवा है, सच्चा जीवन वही है जो दूसरों के लिए जिया जाए और स्वतंत्रता से बड़ा कोई उपहार नहीं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

चार युगों का वर्णन : सत्ययुग से कलियुग तक

भारतीय धर्मग्रंथों और पुराणों में समय को चार प्रमुख युगों में विभाजित किया गया है— सत्ययुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग। युग शब्द का अर्थ है एक निश्चित अवधि या कालखंड। इन चारों युगों में मानव जीवन, धर्म, नैतिकता और समाज की स्थिति अलग-अलग रही है। समय के साथ धर्म की शक्ति घटती जाती है और अधर्म बढ़ता जाता है। प्रत्येक युग की अवधि, मनुष्यों की आयु, ऊंचाई, पुण्य-पाप की मात्रा तथा भगवान के अवतारों का वर्णन मिलता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सत्ययुग: सत्ययुग को चारों युगों में सबसे श्रेष्ठ और पवित्र माना जाता है। इसे कृतयुग भी कहा जाता है। इस युग की कुल अवधि 17,28,000 वर्ष मानी गई है। इस समय धर्म अपने चारों चरणों पर पूर्ण रूप से स्थापित था और पाप का नाम भी नहीं था। इस युग में मनुष्यों की आयु लगभग 1,00,000 वर्ष बताई जाती है और उनकी ऊंचाई लगभग 32 फीट (लगभग 21 हाथ) होती थी।

इस युग का प्रमुख तीर्थ पुष्कर माना गया है। इस समय पुण्य की मात्रा 100 प्रतिशत और पाप की मात्रा शून्य थी। इस युग में भगवान विष्णु ने कई महत्वपूर्ण अवतार लिए, जैसे— मत्स्य अवतार, कूर्म अवतार, वराह अवतार और नृसिंह अवतार। इन अवतारों का उद्देश्य संसार की रक्षा करना और दुष्ट शक्तियों का नाश करना था। उस समय की मुद्रा रत्नों की होती थी और पात्र स्वर्ण के होते थे।

त्रेतायुग: सत्ययुग के बाद त्रेतायुग आता है। इस युग की कुल अवधि 12,96,000 वर्ष मानी जाती है। इस समय धर्म के चार में से तीन चरण शेष रहते हैं, इसलिए पाप की मात्रा थोड़ी बढ़ जाती है। इस युग में मनुष्य की औसत आयु लगभग 10,000 वर्ष और ऊंचाई लगभग 21 फीट (14 हाथ) मानी जाती है। त्रेतायुग का प्रमुख

तीर्थ नैमिषारण्य माना गया है। इस युग में पाप की मात्रा लगभग 25 प्रतिशत और पुण्य की मात्रा 75 प्रतिशत होती है। इस युग में भगवान विष्णु के प्रमुख अवतार हुए— वामन, परशुराम और राम। वामन अवतार ने राजा बलि का उद्धार किया, परशुराम ने अत्याचारी क्षत्रियों का संहार किया और भगवान राम ने रावण का वध कर धर्म की स्थापना की। इस युग में स्वर्ण की मुद्रा प्रचलित थी और चांदी के पात्रों का उपयोग होता था।

द्वापरयुग: तीसरा युग द्वापरयुग कहलाता है। इसकी कुल अवधि 8,64,000 वर्ष मानी गई है। इस युग में धर्म और अधर्म लगभग बराबर हो जाते हैं। पाप और पुण्य दोनों की मात्रा लगभग 50-50 प्रतिशत होती है। इस समय मनुष्यों की आयु लगभग 1,000 वर्ष और ऊंचाई लगभग 11 फीट (7 हाथ) बताई जाती है। द्वापरयुग का प्रमुख तीर्थ कुरुक्षेत्र है। इस युग में भगवान विष्णु के प्रमुख अवतार माने जाते हैं— कृष्ण और गौतम बुद्ध (कुछ परंपराओं के अनुसार)। भगवान कृष्ण ने कंस जैसे दुष्टों का नाश किया और धर्म की स्थापना की। इस युग में चांदी की मुद्रा और तांबे के पात्र प्रचलित थे।

कलियुग: चौथा और वर्तमान युग कलियुग है। इसकी कुल अवधि 4,32,000 वर्ष मानी जाती है। इस युग में धर्म का केवल एक चरण शेष रहता है और अधर्म का प्रभाव अधिक हो जाता है। मनुष्यों की औसत आयु लगभग 100 वर्ष और ऊंचाई लगभग 5.5 फीट मानी जाती है। कलियुग का प्रमुख तीर्थ गंगा है। इस युग में पाप की मात्रा लगभग 75 प्रतिशत और पुण्य की मात्रा लगभग 25 प्रतिशत बताई जाती है। इस युग के अंत में भगवान विष्णु का अंतिम अवतार कल्कि अवतार होगा, जो अधर्मियों का नाश कर धर्म की पुनः स्थापना करेगा। इस युग में लोहे की मुद्रा और मिट्टी के पात्र अधिक प्रचलित हैं। इस प्रकार चारों युग मानव समाज की बदलती स्थिति और धर्म-अधर्म के संतुलन को दर्शाते हैं। भारतीय संस्कृति में इन युगों का वर्णन केवल समय की गणना नहीं, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा देने का माध्यम भी है।

अपने विचार

इंडियन एम्बेसी ने तेहरान में कई इंडियन स्टूडेंट्स को बाहर की जगहों पर शिफ्ट करने में मदद की है। ईरान में बिज़नेस के सिलसिले में आए इंडियन नागरिकों को आर्मेनिया पार करके इंडिया लौटने में मदद की गई। तेहरान में हमारी एंबेसी पूरी तरह चालू है और हाई अलर्ट पर है. हम इस वक्त इंडियन कम्युनिटी को सपोर्ट करने के लिए कमिटेड हैं।

एस. जयशंकर
विदेश मंत्री, भारत सरकार

विपक्ष ने स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया. अब दूसरा मोशन दिया स्थगन का। एक व्यक्ति, एक परिवार देश का राजा है क्या? आप जो हरकत कर रहे हैं, उसका क्या असर हो रहा है देश में जाकर देखिए. स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर हम चर्चा के लिए तैयार हैं।

किरेन रिजिजू
संसदीय कार्य मंत्री भारत सरकार

इराक के खिलाफ अमेरिका की लीडरशिप में हुए हमले की निंदा करते हैं। इराक में सत्ता परिवर्तन के लिए की गई सैनिक कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है। इराक के मासूम लोगों, महिलाओं और बच्चों की वेदनाएं एक गंभीर मानवीय मसला है। यह कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की विशेष मंजूरी के बिना की गई है और यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ है।

जयराम रमेश
नेता, कांग्रेस

मैं अपने बच्चों को टिकट नहीं देता। मेरे दो बच्चे हैं। वो अपना काम कर रहे हैं। मैं कभी अपने बच्चों को टिकट नहीं दूंगा। वो कभी भी राजनीति के अंदर नहीं आएंगे। हमारे जितने नेता बैठे हैं, इशुदान गढ़वी के दूर-दूर तक कोई रिश्तेदार नेता नहीं है। चैतर वसावा का भी दूर-दूर तक कोई नहीं है। गोपाल इटालिया पुलिस में एक छोटी सी नौकरी करते थे, इनका भी दूर-दूर तक कोई संबंध नहीं है।

अरविन्द केजरीवाल
अध्यक्ष, आप पार्टी

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार “माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. ” के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

ऑल इंडिया मोमिन अंसारी समाज ने किया भव्य दावत-ए-इफ्तार का आयोजन

भिवंडी। ऑल इंडिया मोमिन अंसारी समाज द्वारा रविवार, 8 मार्च 2026 को भिवंडी के धोबी तालाब स्टेडियम में एक भव्य दावत-ए-इफ्तार का सफल आयोजन किया गया, जिसमें शहर की राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक जगत की दिग्गज हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर नारायण रतन चौधरी, विधायक रईस कासिम शेख, विधायक महेश चौघुले और मुफ्ती मोहम्मद हुजैफा कासमी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस आध्यात्मिक सभा की शोभा बढ़ाई। मुफ्ती हुजैफा ने अपने संबोधन में रमजान की पवित्रता और आपसी भाईचारे पर जोर दिया, जबकि समाज के अध्यक्ष अबरार अंसारी और उनकी टीम के प्रबंधन की सभी ने सराहना की। शुऐब मोमिन द्वारा कुशलतापूर्वक संचालित इस कार्यक्रम ने न केवल धार्मिक परंपरा का निर्वहन किया, बल्कि विभिन्न समुदायों के बीच एकता और सामाजिक सौहार्द का एक मजबूत संदेश भी दिया।

ठाणे मनपा महिला कर्मचारियों का सांस्कृतिक समारोह

ठाणे। विश्व महिला दिवस के उल्लासपूर्ण अवसर पर ठाणे नगर निगम की महिला कर्मचारियों ने राम गणेश गडकरी रंगायतन में आयोजित एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया। लावणी, फ्यूजन डांस और पारंपरिक लोक कलाओं की शानदार प्रस्तुतियों के बीच महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रशासनिक कार्य के साथ-साथ कला के क्षेत्र में भी महिलाओं के असाधारण योगदान की सराहना की। इस अवसर पर उपमहापौर कृष्णा पाटिल, मनपा उपायुक्त उमेश बिरारी, डॉ. मिताली संचेती और सीएसएम अस्पताल की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने महिला शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए समाज और प्रशासन में उनकी मजबूत स्थिति को रेखांकित किया।

प्रभात कुमार के हाथ मध्य रेल के 'वाणिज्य' की कमान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेलवे के प्रशासनिक ढांचे में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव हुआ है। भारतीय रेलवे यातायात सेवा (IRTS) के अनुभवी और वरिष्ठ अधिकारी प्रभात कुमार ने प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के रूप में आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभाल लिया है।

30 सालों का बेमिसाल तजुर्बा

प्रभात कुमार भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1993 बैच के अधिकारी हैं। उनके पास रेलवे के विभिन्न विभागों जैसे परिचालन, वाणिज्य, सुरक्षा और सतर्कता में काम करने का लगभग तीन दशकों का विशाल अनुभव है। उन्होंने जमीनी स्तर से लेकर नीति निर्धारण तक हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत साबित की है।

पूर्व मध्य रेल से मध्य रेल तक का सफर

इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को संभालने से पहले, प्रभात कुमार पूर्व मध्य रेलवे में प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के उच्च पद पर तैनात थे। उनके कार्यकाल के दौरान वहां ट्रेनों के परिचालन और कार्यक्षमता में काफी सुधार देखे गए थे, जिसे अब वे मुंबई मुख्यालय वाले मध्य रेल में लागू करेंगे।

अनुशासन और आधुनिक सोच का मेल

प्रभात कुमार की कार्यशैली को अनुशासन और नवाचार का अनूठा मिश्रण माना जाता है। वे न केवल नियमों के पक्के हैं, बल्कि रेलवे की चुनौतियों को सुलझाने के लिए आधुनिक और नए तरीकों को अपनाने में भी यकीन रखते हैं।

क्या होंगी मुख्य चुनौतियां?

PCCM के रूप में प्रभात कुमार के कंधों पर टिकटों की बिक्री बढ़ाना, माल ढुलाई से होने वाली कमाई में इजाफा करना और यात्रियों की शिकायतों का त्वरित निवारण करने जैसी बड़ी जिम्मेदारियां होंगी। इसके अलावा, बिना टिकट यात्रा पर लगाम कसना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हो सकता है।

सीपीआरओ डॉ. स्वप्निल नीला ने किया स्वागत

मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) डॉ. स्वप्निल नीला ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि प्रभात कुमार का बहुआयामी अनुभव रेलवे के लिए एक बड़ी संपत्ति है। उन्हें पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में मध्य रेल राजस्व के नए रिकॉर्ड बनाएगा और यात्री सेवाओं को बेहतर करेगा।

पत्नी की स्मृति में भूदान

वाडा में खुलेगी बीमार और लावारिस गायों के लिए गोशाला

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे के वरिष्ठ समाजसेवी और भाजपा राष्ट्रीय परिषद के पूर्व सदस्य ओमप्रकाश शर्मा के परिवार ने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी दिवंगत धर्मपत्नी उमादेवी ओमप्रकाश शर्मा की स्मृति में पालघर जिले के वाडा स्थित अपनी पैतृक जमीन को गोशाला के लिए दान करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। वरिष्ठ समाजसेवी उमादेवी शर्मा अपने जीवनकाल में सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बहुत सक्रिय थीं। उनके दुखद निधन के बाद, उनके पति ओमप्रकाश शर्मा ने तय किया कि उनकी स्मृतियों को जीवित रखने का सबसे अच्छा तरीका समाज सेवा ही है। इसी उद्देश्य से उन्होंने अपनी निजी मालिकाना जमीन को गोमाता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। पालघर जिले के वाडा तालुका स्थित इस जमीन पर 'उमादेवी ओमप्रकाश शर्मा स्मृति मधुवन गोशाला' का निर्माण किया जाएगा। इस गोशाला का मुख्य लक्ष्य केवल गायों को पालना नहीं, बल्कि कमजोर, बीमार और असहाय गोमाताओं का उचित उपचार और सेवा सुनिश्चित करना होगा।

राजस्थानी संस्कृति और गणगौर पूजा का जुड़ाव

स्वर्गीय उमादेवी शर्मा राजस्थानी संस्कृति को बढ़ावा देने और ठाणे में गणगौर पूजा के आयोजनों की शुरुआत करने के लिए जानी जाती थीं। उनके साथ जुड़ी महिला दल की सदस्यों (सुमन अत्री, डॉ. सविता इंदौरिया व अन्य) ने इस पहल का दिल खोलकर समर्थन किया है। वे इसे उमादेवी जी के व्यक्तित्व के अनुरूप एक महान कार्य मानती हैं। शर्मा परिवार ने इस कदम के जरिए विनोबा भावे के भूदान आंदोलन की याद दिला दी है। जहाँ आज लोग जमीन के एक छोटे से टुकड़े के लिए कानूनी लड़ाइयाँ लड़ते हैं, वहां एक बहुमूल्य जमीन को निस्वार्थ भाव से धार्मिक और सामाजिक कार्य के लिए दान करना समाज को एक बड़ा संदेश देता है।

नुक्कड़ नाटक के जरिए 6 हजार श्रमिकों को सुरक्षा का मंत्र

बुलेट ट्रेन परियोजना

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण स्थलों पर कार्यरत हजारों श्रमिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने 'प्रयास' नामक एक विशेष नुक्कड़ नाटक श्रृंखला का आयोजन किया। 23 फरवरी से 7 मार्च 2026 तक चले इस दस दिवसीय अभियान के दौरान कॉरिडोर के विभिन्न स्थलों पर लगभग 6,000 श्रमिकों को कार्यस्थल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के बीच एक सुरक्षित कार्य संस्कृति को विकसित करना और उन्हें यह समझाना था कि उनकी सुरक्षा ही परियोजना की असली सफलता है।

40 निर्माण स्थलों पर कला के माध्यम से जागरूकता

इस अभियान के अंतर्गत गुजरात के 24 और महाराष्ट्र के 16, यानी कुल 40 निर्माण स्थलों को कवर किया गया। इनमें स्टेशन, कास्टिंग यार्ड, सुरंग, डिपो और पुल जैसे महत्वपूर्ण कार्यस्थल शामिल थे। कलाकारों ने अपनी प्रभावी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रमिकों को हेलमेट, हार्नेस बेल्ट, सेफ्टी शूज़ और पीपीई (PPE) किट जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरणों के महत्व को समझाया। नाटकों के जरिए यह संदेश दिया गया कि सुरक्षा उपकरणों का सही उपयोग न केवल नियमों का पालन है, बल्कि जीवन की रक्षा के लिए अनिवार्य है।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र ने उत्कृष्ट कर्मचारियों को किया सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी), जो रेल मंत्रालय के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, ने अपने कर्मचारियों के असाधारण प्रदर्शन को सराहने की अपनी परंपरा को जारी रखा है। इसी कड़ी में, आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई द्वारा फरवरी 2026 के लिए 'महीने के उत्कृष्ट कर्मचारी' सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह विशेष कार्यक्रम मुंबई स्थित पश्चिम क्षेत्र कार्यालय में संपन्न हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर उत्कृष्टता और समर्पण को बढ़ावा देना है।

ययाति कोली और सोनू मलिक को मिला विशेष सम्मान

इस गौरवशाली अवसर पर दो प्रमुख कर्मचारियों को उनके अनुकरणीय योगदान के लिए चुना गया। जोनल कार्यालय के सपोर्ट स्टाफ (पर्यटन) ययाति कोली और मुंबई सेंट्रल डाइनिंग कार कार्यालय के कैटरिंग असिस्टेंट सोनू मलिक को फरवरी माह के दौरान उनकी समर्पित सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया। आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र के ग्रुप जनरल मैनेजर गौरव झा ने दोनों विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारी हर्षवर्धन सिंह रावत (एजीएम, पर्यटन) और नागेश चौधरी (मैनेजर, एचआर) भी उपस्थित रहे। आईआरसीटीसी के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह ने जानकारी दी कि कर्मचारी सम्मान की यह अनूठी पहल पिछले वर्ष ग्रुप जनरल मैनेजर द्वारा शुरू की गई थी, जिसके तहत अब तक 12 कर्मचारियों को सम्मानित किया जा चुका है।

चंग की थाप और घूमर का जादू

धूमधाम से मना नवलगढ़ संघ का होली मिलन

सांस्कृतिक गीतों और लघु नाटिका से सजी शाम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मलाड का दुर्गादेवी सराफ हॉल रविवार को राजस्थानी संस्कृति के रंगों और होली के उत्साह से सराबोर हो उठा। नवलगढ़ नागरिक संघ द्वारा आयोजित 'होली का हुड़दंग' स्नेह सम्मेलन में शेखावाटी की परंपरा और नारी शक्ति के सम्मान का अद्भुत संगम देखने को मिला।

गणेश वंदना से आगाज और गीतों की छटा

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक ढंग से गणेश वंदना के साथ हुई। इसके बाद महेंद्र रुंगटा के संचालन में राजस्थानी लोक संस्कृति के रंग बिखरने शुरू हुए। कलाकार बंटी ठाकुर के बेहतरीन सुरों ने होली के परंपरागत गीतों में ऐसा समां बांधा कि हॉल में मौजूद हर सदस्य झूमने पर मजबूर हो गया।

नारी शक्ति का विशेष सम्मान

चूँकि यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के करीब था, इसलिए योगाचार्य शारदा बुबना ने नारी शक्ति पर एक प्रेरक काव्य पाठ किया। आशा पोद्दार के साथ मिलकर उन्होंने उपस्थित सभी महिलाओं को पुष्प-गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया, जो समाज में महिलाओं के बढ़ते गौरव का प्रतीक बना।

खुशियों का 'डबल धमाका'

होली की खुशियों के बीच संस्था के ट्रस्टी विनोद पोद्दार की विशेष उपलब्धि का भी जश्न मनाया गया। उन्हें हाल ही में गोरेगांव स्पोर्ट्स क्लब का अध्यक्ष चुना गया है। इस उपलक्ष्य में संस्था के अध्यक्ष रामप्रकाश बुबना ने उन्हें पुष्प-गुच्छ देकर सम्मानित किया और बधाई दी। इस स्नेह सम्मेलन में नवलगढ़ समाज के सदस्यों ने भारी संख्या में भाग लिया। रामप्रकाश बुबना, सुनील जीवराजका, प्रमोद बगड़िया और दीनदयाल मुरारका सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी ने यह साबित किया कि अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहना ही समाज की असली ताकत है।

महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा ने जीता दिल

इस शाम का सबसे बड़ा आकर्षण मेवाड़ के सूर्य महाराणा प्रताप के जीवन पर आधारित एक लघु नाटिका रही। इसमें राजस्थानी आन-बान-शान के साथ-साथ प्रसिद्ध घूमर नृत्य की भी सुंदर प्रस्तुति दी गई। इस पूरे सांस्कृतिक कार्यक्रम को मनीषा कांबले ने शानदार ढंग से कोरियोग्राफ किया था।

डाक विभाग घर-घर पहुँचाएगा 'गव्य' उत्पाद

महाराष्ट्र पोस्टल सर्कल और जीसीसीआई के बीच एमओयू साइन

38 डाकघरों में खुलेंगे विशेष काउंटर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय डाक विभाग (महाराष्ट्र सर्कल) और ग्लोबल कन्फेडरेशन ऑफ काउ-बेस्ड इंडस्ट्रीज ने एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य गाय पर आधारित उत्पादों (पंचगव्य) को गांव की गलियों से निकालकर वैश्विक बाजार तक पहुँचाना है। महाराष्ट्र के चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह और पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया की मौजूदगी में यह घोषणा हुई।

पुणे में सजेगा 'गौ टेक 2026' का महाकुंभ

GCCI के संस्थापक डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने घोषणा की कि 20 से 23 मार्च 2026 तक पुणे के एग्रीकल्चर कॉलेज ग्राउंड में "गौ टेक 2026" नामक अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। यह इवेंट गाय पर आधारित साइंस, टेक्नोलॉजी और रिसर्च के लिए एक ग्लोबल मंच साबित होगा। महाराष्ट्र पोस्टल सर्कल के प्रतिनिधि ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा पोस्टल नेटवर्क अब ग्रामीण गाय उद्यमियों और वैश्विक खरीदारों के बीच की दूरी को खत्म कर देगा। यह कदम न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारेगा, बल्कि असली पंचगव्य उत्पादों की शुद्धता को भी हर घर तक पहुँचाएगा।

डाकघर बनेंगे 'गव्य' उत्पादों के शो-रूम

महाराष्ट्र सर्कल के 38 चुनिंदा डाकघरों में गाय से बने उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष काउंटर खोले जाएंगे। यहाँ ग्राहक सीधे असली पंचगव्य उत्पाद देख और खरीद सकेंगे। चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह के अनुसार, इस सेक्टर में व्यापार की अपार संभावनाएं हैं जिन्हें डाक विभाग का रिटेल नेटवर्क मजबूती देगा। GCCI से जुड़े उद्यमियों और इनोवेटर्स के लिए डाक विभाग प्राइमरी लॉजिस्टिक्स पार्टनर के रूप में काम करेगा। अब गाय के दूध, गोबर और गोमूत्र से बने 300 से अधिक उत्पाद स्पीड पोस्ट, इंडिया पोस्ट पार्सल और लॉजिस्टिक्स पोस्ट के जरिए सीधे ग्राहकों के दरवाजे (Doorstep) तक सुरक्षित पहुँचेंगे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष मानसिक शांति के लिए किए गए प्रयास सफल रहेंगे। कोर्ट-कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी धार्मिक यात्रा की योजना बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा।

वृष वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में लापरवाही न करें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार ठीक चलेगा।

मिथुन कार्यक्षेत्र के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। बिगड़े काम बन सकते हैं। समाजसेवा करने का मन बनेगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। व्यस्तता रहेगी। आराम का समय नहीं मिलेगा। थकान रहेगी।

कर्क व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

सिंह समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी। मान-सम्मान मिलेगा। खोई हुई वस्तु मिलने के योग हैं। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

कन्या शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। किसी आनंदोत्सव में भाग ले सकते हैं। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

तुला किसी तरह से बड़ा लाभ होने की संभावना है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। किसी तरह के विवाद में विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में नया कार्य मिल सकता है।

वृश्चिक कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। थकान व कमजोरी रह सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। दूसरों से अधिक अपेक्षा न करें। बेवजह चिड़चिड़ापन रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कार्य में मन नहीं लगेगा।

धनु भावना में बहकर महत्वपूर्ण निर्णय न लें। नौकरी में कार्यभार रहेगा। लाभ होगा। स्वास्थ्य के संबंध में लापरवाही न करें। स्वास्थ्य पर व्यय होगा। दुःखद समाचार मिल सकता है। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से हानि होगी।

मकर मनपसंद व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। धन प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। प्रमाद न करें।

कुंभ घर, दुकान, फैक्टरी व शोरूम इत्यादि के खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। कारोबार में बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुके काम बनेंगे। घर-बाहर उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे।

मीन प्रसन्नता का वातावरण निर्मित होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में मातहत साथ देंगे।

बिना माला के भी पूरी करें 108 मंत्रों की साधना

प्रियंका जैन
97699 94439

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में मंत्र जाप का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। माना जाता है कि नियमित रूप से मंत्रों का जाप करने से मन की शुद्धि होती है, आत्मबल बढ़ता है और व्यक्ति का मन भगवान के प्रति अधिक एकाग्र हो जाता है। सामान्यतः लोग मंत्र जाप के लिए रुद्राक्ष, तुलसी या चंदन की माला का उपयोग करते हैं, जिनमें 108 मनकों की संख्या होती है। परंतु कई बार ऐसा होता है कि किसी कारणवश हमारे पास माला उपलब्ध नहीं होती। ऐसी स्थिति में भी साधना को रोकना आवश्यक नहीं है, क्योंकि हमारे शास्त्रों में एक सरल और प्राचीन तरीका बताया गया है जिसे करमाला विधि कहा जाता है। इस विधि में उंगलियों के पोरों के माध्यम से मंत्रों की गिनती करके उतनी ही सहजता से मंत्र जाप किया जा सकता है जितना कि माला के द्वारा किया जाता है।

करमाला विधि का अर्थ ही है हाथ की उंगलियों को माला के समान उपयोग करना। यह तरीका प्राचीन काल से ही ऋषि-मुनियों और साधकों द्वारा अपनाया जाता रहा है। जब उनके पास माला उपलब्ध नहीं होती थी या वे किसी यात्रा में होते थे, तब वे इसी विधि से मंत्रों का जाप करते थे। इस विधि का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इसके लिए किसी विशेष साधन की आवश्यकता नहीं होती, केवल थोड़ी सी जानकारी और अभ्यास से कोई भी व्यक्ति इस तरीके को अपनाकर अपनी साधना को निरंतर जारी रख सकता है।

करमाला विधि में मुख्य रूप से दाएं हाथ की उंगलियों का उपयोग किया जाता है। सबसे पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर के मध्य पोर से गिनती शुरू की जाती है। इसके बाद धीरे-धीरे उंगलियों के अलग-अलग पोरों को स्पर्श करते हुए मंत्र की गिनती आगे बढ़ाई जाती है। अनामिका उंगली से शुरू होकर यह गिनती कनिष्ठा यानी लिटिल फिंगर के पोरों तक जाती है और फिर वहाँ से आगे तर्जनी यानी इंडेक्स फिंगर के मूल तक पहुँचती है। इस प्रकार कुल दस पोरों की गिनती पूरी होती है। इन दस पोरों को एक छोटी माला के समान माना जाता है, जिसमें प्रत्येक पोर पर एक मंत्र का जाप किया जाता है।

इस विधि में एक विशेष बात का ध्यान रखना बहुत आवश्यक होता है। अनामिका उंगली के ऊपर के दो पोरों को माला के सुमेरू के समान माना जाता है। जैसे सामान्य माला में सुमेरू को पार नहीं किया जाता और वहाँ पहुँचकर माला को पलट दिया जाता है, वैसे ही करमाला विधि में भी इन दो पोरों को पार नहीं किया जाता। यह नियम साधना की पवित्रता और परंपरा को बनाए रखने के लिए रखा गया है। इसलिए जब भी गिनती करते समय इन पोरों तक पहुँचा जाए तो उन्हें पार किए बिना वहीं से गिनती को वापस घुमाकर आगे बढ़ाया जाता है।

दाएं हाथ की उंगलियों के इन दस पोरों पर जब दस मंत्रों का जाप पूरा हो जाता है, तब उसकी गिनती को आगे बढ़ाने के लिए बाएं हाथ का सहारा लिया जाता है। बाएं हाथ की अनामिका उंगली के बीच के पोर से एक दहाई की संख्या गिनी जाती है। इसका अर्थ यह हुआ कि दाएं हाथ से दस मंत्र पूरे होने पर बाएं हाथ में एक गिनती आगे बढ़ा दी जाती है। इस प्रकार दाएं हाथ से मंत्रों की इकाई गिनी जाती है और बाएं हाथ से दहाई की संख्या।

जब दाएं हाथ से दस-दस मंत्रों की गिनती करते हुए बाएं हाथ पर दस दहाई पूरी हो जाती हैं, तब कुल मिलाकर सौ मंत्रों का जाप पूरा हो जाता है।

प्रोजेक्ट गंगा: गांव-गांव पहुंचेगा हाईस्पीड इंटरनेट

स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप ने साइन किया एमओयू

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत करने और तकनीक आधारित रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'प्रोजेक्ट गंगा' की शुरुआत की गई है। इस परियोजना के लिए स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन और हिंदुजा ग्रुप की सहायक कंपनी वनओटीटी एंटरटेनमेंट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के माध्यम से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों तक हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड इंटरनेट पहुंचाने की योजना है। हिंदुजा ग्रुप के प्रतिनिधि डॉ. एस.के. चड्ढा सहित परियोजना से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एक लाख लोगों को मिलेगा रोजगार

इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग एक लाख रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। योजना के अंतर्गत न्याय पंचायत स्तर पर आठ हजार से 10 हजार स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में तैयार किया जाएगा। इनमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की योजना है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं के साथ महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि यह समझौता प्रदेश में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में तकनीक के क्षेत्र में देश और उत्तर प्रदेश में तेजी से बदलाव आया है और डिजिटल माध्यमों से रोजगार के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

20 लाख घरों तक ब्रॉडबैंड का लक्ष्य

परियोजना के तहत अगले दो से तीन वर्षों में प्रदेश के 20 लाख से अधिक घरों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इससे लगभग एक करोड़ लोगों को डिजिटल सेवाओं का लाभ मिलने की संभावना है। डिजिटल सेवाओं के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार, डिजिटल उद्यमिता और ऑनलाइन व्यवसाय से जुड़े नए अवसर विकसित होंगे। इस परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग एक लाख रोजगार अवसर सृजित होने का अनुमान है। योजना के अंतर्गत न्याय पंचायत स्तर पर आठ हजार से 10 हजार स्थानीय युवाओं को डिजिटल सेवा प्रदाता के रूप में तैयार किया जाएगा इनमें लगभग 50 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी।

छत्तीसगढ़ में एक वर्ष में 982 बच्चे लापता, 582 को पुलिस ने किया बरामद

400 बच्चों का नहीं लगा सुराग

एजेंसी । लखनऊ

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में पिछले एक वर्ष के दौरान 982 बच्चों के लापता होने के मामले दर्ज किए गए। इनमें से 582 बच्चों को पुलिस ने विभिन्न अभियानों के माध्यम से बरामद कर लिया है, जबकि 400 बच्चों का अब भी पता नहीं चल सका है। लापता बच्चों के मामलों में छत्तीसगढ़ देश में छठे स्थान पर है। मंत्रालय की ओर से 8 मार्च 2026 को जारी रिपोर्ट में 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच के आंकड़े शामिल किए गए हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि 14 से 17 वर्ष आयु वर्ग के किशोर-किशोरियां सबसे अधिक प्रभावित हैं। इस आयु वर्ग में लड़कियों की संख्या लड़कों की तुलना में अधिक पाई गई है।

किशोरियों के मामले सबसे अधिक

रिपोर्ट के अनुसार देश में लापता बच्चों के मामलों में पश्चिम बंगाल पहले स्थान पर है, जहां इस अवधि में 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को बरामद कर लिया गया, जबकि 3,680 बच्चे अब भी लापता हैं। मध्य प्रदेश 4,256 मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है, जहां 1,059 बच्चों का अब तक पता नहीं चल पाया है। वहीं नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली में इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई।

ऑपरेशन मुस्कान से मिली सफलता

छत्तीसगढ़ पुलिस ने लापता बच्चों की तलाश के लिए 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान चलाया, जिसके तहत विशेष टीमें गठित कर विभिन्न राज्यों में खोज अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित 18 से अधिक राज्यों में जाकर बच्चों की तलाश की। जिला स्तर पर जांजगीर-चांपा से सबसे अधिक 76 बच्चों को बरामद किया गया। इसके बाद रायपुर से 56 और बिलासपुर से 52 बच्चों को खोजकर परिवारों तक पहुंचाया गया। रिपोर्ट के अनुसार देश में लापता बच्चों के मामलों में पश्चिम बंगाल पहले स्थान पर है, जहां इस अवधि में 19,145 बच्चे लापता हुए।

गुमशुदगी में पश्चिम बंगाल नंबर वन

मंत्रालय की ओर से 8 मार्च 2026 को जारी रिपोर्ट में 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच के आंकड़े शामिल किए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पिछले पांच वर्षों से लापता बच्चों के मामलों में लगातार देश के शीर्ष दस राज्यों में स्थान बना हुआ है।

एक घंटे विमान में फंसे रहे दोनों डिप्टी सीएम

एजेंसी । लखनऊ

राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार सुबह इंडिगो की एक उड़ान तकनीकी खराबी के कारण निर्धारित समय पर रवाना नहीं हो सकी। इस कारण उत्तर प्रदेश सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक सहित विमान में सवार सभी यात्रियों को करीब एक घंटे तक विमान के भीतर ही इंतजार करना पड़ा। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E-505 को लखनऊ से कोलकाता के लिए सुबह उड़ान भरनी थी। यात्री निर्धारित समय पर विमान में सवार हो गए थे, लेकिन टेकऑफ से पहले विमान में तकनीकी समस्या का संकेत मिलने पर उड़ान को रोक दिया गया। सुरक्षा और तकनीकी जांच के लिए विमान को रनवे पर रोक कर रखा गया, जिससे उड़ान में विलंब हो गया। बताया जा रहा है कि इसी विमान से उत्तर प्रदेश के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को कोलकाता जाना था।

उत्तराखंड: 1.11 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर जोर

एजेंसी । भराड़ीसैंण

उत्तराखंड सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,11,703.21 करोड़ रुपये का बजट विधानसभा में प्रस्तुत किया। यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में 10.41 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने इसे विकासोन्मुख, संतुलित और जनकल्याण आधारित बजट बताते हुए राज्य के आर्थिक विस्तार और आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में कई प्रावधान किए हैं। सोमवार को दोपहर बाद सदन में पेश किए गए बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, डिजिटल शासन, पर्यटन और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है, ताकि राज्य में सतत विकास और रोजगार सृजन को गति मिल सके। कुल प्राप्तियों में विभिन्न स्रोतों का योगदान भी निर्धारित किया गया है।

सामाजिक योजनाओं पर ध्यान

बजट में साइबर सुरक्षा के लिए 15 करोड़ रुपये तथा उभरती प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्रियान्वयन के लिए 10 .50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए स्पिरिचुअल इकोनॉमिक जोन और 'महक क्रांति' कार्यक्रम के लिए 10 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसके अतिरिक्त 'हाउस ऑफ हिमालयाज', 'उत्तराखंड एवं भारत दर्शन', नदी तट विकास, 'आपदा सखी' योजना, ग्राम प्रहरी योजना, नशा मुक्ति केंद्र, विदेश रोजगार प्रकोष्ठ को भी तवज्जो दी गई है।

विधानसभा में विपक्ष का वॉकआउट

छत्तीसगढ़ विधानसभा में धान खरीद को लेकर हंगामा

सदन में सत्ता और विपक्ष के बीच हुई तीखी नोकझोंक

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र में सोमवार को धान खरीदी के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि कई किसानों का पंजीयन और टोकन जारी होने के बावजूद उनका धान नहीं खरीदा गया। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। प्रश्नकाल के दौरान विधायक लखेश्वर बघेल ने वर्ष 2025-26 में धान खरीदी और उसके उठाव से संबंधित जानकारी मांगते हुए कहा कि सरकार स्पष्ट करे कि खरीदी कब शुरू हुई ?

संतुष्टि न होने पर किया वॉकआउट

मंत्री के जवाब से संतुष्ट न होने पर कांग्रेस विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। धान खरीदी को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया।

किसानों की परेशानी का मुद्दा उठाया

लखेश्वर बघेल ने आरोप लगाया कि कई किसान धान बेचने के लिए लगातार प्रशासनिक कार्यालयों के चक्कर लगाते रहे, लेकिन उनका धान नहीं खरीदा गया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था में गंभीर अनियमितताएं सामने आ रही हैं और सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। इस पर मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि राज्य में इस वर्ष रिकॉर्ड स्तर पर धान खरीदी हुई है और पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय भी ऋणी किसानों के धान खरीदी को लेकर इसी तरह की स्थिति रही है।

बस्तर जिले से सर्वाधिक हुई खरीद

मंत्री के अनुसार बस्तर संभाग में बस्तर जिले से 46,846 .86 मीट्रिक टन, बीजापुर से 21,888 .59 मीट्रिक टन, दंतेवाड़ा से 9,757 मीट्रिक टन, कांकेर से 1,47,528 .30 मीट्रिक टन, कोंडागांव से 58,911 .78 मीट्रिक टन, नारायणपुर से 17,383 .06 मीट्रिक टन और सुकमा से 16,608 .14 मीट्रिक टन धान का उठाव दर्ज किया गया है।

जालसाजों ने बनाई NHAI की वेबसाइट

एजेंसी । जगदलपुर

फास्टैग रिचार्ज और वार्षिक पास के नाम पर साइबर ठगी के नए तरीके सामने आने के बाद बस्तर पुलिस ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। साइबर अपराधियों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की तर्ज पर नकली वेबसाइट तैयार कर लोगों से ऑनलाइन भुगतान करवाकर ठगी करने का तरीका अपनाया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (साइबर क्राइम) गीतिका साहू ने बताया कि साइबर ठग गूगल सर्च और एसईओ तकनीक का उपयोग कर अपनी फर्जी वेबसाइटों को सर्च परिणामों में ऊपर दिखाने में सफल हो रहे हैं। कई लोग पहले दिखाई देने वाले लिंक को आधिकारिक समझकर उस पर क्लिक कर देते हैं और ठगी का शिकार बन जाते हैं। उन्होंने बताया कि इन फर्जी वेबसाइटों को एनएचएआई के आधिकारिक पोर्टल की तरह ही डिजाइन किया जाता है।

आतंकवाद से निपटने को भारत-जापान ने किया अभ्यास

उत्तराखंड में आयोजित संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' का समापन

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड के चौबटिया स्थित फॉरेन ट्रेनिंग नोड में आयोजित भारत और जापान की सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'धर्म गार्जियन' सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 24 फरवरी से शुरू हुआ इस अभ्यास का सातवां संस्करण आठ मार्च तक चला, जिसमें दोनों देशों के सैनिकों ने आतंकवाद-रोधी अभियानों और जटिल भूभाग में संयुक्त सैन्य संचालन का प्रशिक्षण लिया। भारतीय सेना के अनुसार यह अभ्यास वर्ष 2018 से भारत और जापान के बीच बारी-बारी से आयोजित किया जाता है और दोनों देशों के रक्षा सहयोग का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

'आसाही शक्ति' अभ्यास रहा प्रमुख आकर्षण

अभ्यास का मुख्य आकर्षण 'आसाही शक्ति' नामक वैलिडेशन एक्सरसाइज रही। इसके तहत चौबटिया क्षेत्र में 48 घंटे का फील्ड अभ्यास आयोजित किया गया, जिसमें एक काल्पनिक परिचालन परिदृश्य के आधार पर आतंकवादियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया गया। इस अभ्यास में भूभाग विश्लेषण, कंपनी ऑपरेटिंग बेस की स्थापना, गश्त और घात लगाकर खुफिया जानकारी जुटाना, कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन, हेलिबोर्न ऑपरेशन, रूम इंटरवेंशन तथा बंधक मुक्ति जैसे अभियानों का अभ्यास किया गया।

व्यापार जगत

डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर रुपया

पश्चिम एशिया तनाव का असर

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल का असर भारतीय मुद्रा पर भी दिखने लगा है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 46 पैसे की कमजोरी के साथ 92.20 रुपये प्रति डॉलर पर खुला।

शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट

इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 46 पैसे की कमजोरी के साथ 92 .20 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार शुरू होने के कुछ ही समय बाद बिकवाली का दबाव बढ़ने से यह और फिसलकर 92 .35 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गया, जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है।

तेल की कीमतों में उछाल से दबाव

विश्लेषकों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 25 प्रतिशत तक आई तेजी ने मुद्रा बाजार की धारणा को कमजोर किया है। भारत जैसे तेल आयात पर निर्भर देशों के लिए महंगा तेल आयात बिल बढ़ाने का संकेत देता है, जिससे रुपये पर अतिरिक्त दबाव बनता है। हालांकि, शुरुआती गिरावट के बाद रुपये में हल्का सुधार भी देखा गया। दोपहर करीब एक बजे तक यह 52 पैसे की कमजोरी के साथ 92 .26 रुपये प्रति डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था। डॉलर के अलावा अन्य प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले भी रुपये में गिरावट दर्ज की गई। दोपहर एक बजे के आसपास ब्रिटिश पाउंड के मुकाबले रुपया करीब 81 .95 पैसे कमजोर होकर 123 .06 पर पहुंच गया। इसी अवधि में यूरो के मुकाबले भी यह लगभग 41 .40 पैसे गिरकर 106 .61 के स्तर पर दर्ज किया गया। हालांकि, शुरुआती गिरावट के बाद रुपये में हल्का सुधार भी देखा गया। दोपहर करीब एक बजे तक यह 52 पैसे की कमजोरी के साथ 92 .26 रुपये प्रति डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा था।

फिलहाल, महंगाई पर बड़ा असर नहीं: निर्मला सीतारमण

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल का असर भारतीय मुद्रा पर भी दिखने लगा है। सोमवार को शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में तेज गिरावट इंटरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 46 पैसे की कमजोरी के साथ 92.20 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार शुरू होने के कुछ ही समय बाद बिकवाली का दबाव बढ़ने से यह और फिसलकर 92.35 रुपये प्रति डॉलर तक पहुंच गया, जो इसका अब तक का सबसे निचला स्तर माना जा रहा है।

सदन में वित्त मंत्री ने एक सवाल के जवाब में दिया उत्तर

उन्होंने स्पष्ट किया कि वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि का मध्यम अवधि में महंगाई पर प्रभाव कई कारकों पर निर्भर करता है। इनमें रुपये-डॉलर विनिमय दर में उतार-चढ़ाव, अंतरराष्ट्रीय मांग-आपूर्ति की स्थिति, मौद्रिक नीति के प्रभाव का उपभोक्ताओं तक पहुंचना और समग्र मुद्रास्फीति की स्थिति जैसे तत्व शामिल हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि Reserve Bank of India की अक्टूबर 2025 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के अनुसार यदि कच्चे तेल की कीमतें आधार अनुमान से 10 प्रतिशत अधिक रहती हैं और इसका पूरा प्रभाव घरेलू कीमतों पर पड़ता है।

वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में उछाल

उधर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखा गया है। वायदा कारोबार में कीमतें 26 प्रतिशत से अधिक बढ़कर करीब 114.29 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। लोकसभा में पूछे गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त मंत्री ने बताया कि फरवरी के अंत से 2 मार्च के बीच भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत 69.01 डॉलर प्रति

27 लाख करोड़ डकार गया पश्चिम एशिया तनाव

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल का असर घरेलू शेयर बाजार पर लगातार दिखाई दे रहा है। पिछले छह कारोबारी सत्रों के दौरान प्रमुख सूचकांकों में करीब छह प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। इस अवधि में सेंसेक्स लगभग 4,700 अंक और निफ्टी करीब 1,500 अंक टूट चुका है, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी आई है।सोमवार को तेज गिरावट के बाद कुछ सुधारसप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स करीब 2,500 अंक तक लुढ़क गया था, हालांकि बाद में कुछ सुधार आया।

एमसीएक्स-आईपीएफ कॉमक्वेस्ट 2026 में 12,000 छात्रों ने आजमाया भाग्य

मुंबई में सजा कमोडिटी क्विज का महाकुंभ

मुंबई। कमोडिटी बाजारों पर आधारित भारत की प्रमुख राष्ट्रीय शैक्षणिक क्विज, एमसीएक्स-आईपीएफ कॉमक्वेस्ट 2026 का 8वां संस्करण 27 फरवरी 2026 को मुंबई में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। एमसीएक्स इंवेस्टर प्रोटेक्शन फंड द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 300 से अधिक शहरों से 12,000 से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। 1,000 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय युवाओं में कमोडिटी डेरिवेटिव्स और वित्तीय इकोसिस्टम को समझने के प्रति रुचि तेजी से बढ़ रही है।

आईएमआई नई दिल्ली के पार्थ बंसल बने विजेता

फाइनल राउंड में देश के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे IIM त्रिची, IIM उदयपुर, IIFT कोलकाता और XLRI जमशेदपुर की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के कड़े मुकाबले में आईएमआई-नई दिल्ली के पार्थ बंसल ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की। वहीं,

एनआईएसएम-मुंबई के रुशिकेश उगले प्रथम उपविजेता और एक्सएलआरआई-जमशेदपुर के शुभम पसारी द्वितीय उपविजेता रहे। फाइनल में आईआईएम-त्रिची, आईआईएम-उदयपुर और आईआईएफटी-कोलकाता जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों की मौजूदगी ने इस आयोजन के व्यापक राष्ट्रीय प्रभाव को दर्शाया। यह पहल शिक्षा जगत और कमोडिटी बाजार के बीच की दूरी को पाटने में एक मील का पत्थर साबित हुई है।

कठिन चयन प्रक्रिया और मुंबई में ग्रैंड फिनाले

तीन महीने तक चली इस बहु-चरणीय प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके बाजार ज्ञान और विश्लेषणात्मक कौशल के आधार पर किया गया। स्क्रीनिंग राउंड और केस-आधारित मूल्यांकन के बाद, क्षेत्रीय दौर के विजेता मुंबई विश्वविद्यालय के ग्रीन टेक्नोलॉजी ऑडिटोरियम में आयोजित भव्य फाइनल में एकत्रित हुए। इस अवसर पर एमसीएक्स की प्रबंध निदेशक और सीईओ प्रवीणा राय ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और आर्थिक परिवर्तनों के दौर में बाजार की गहरी समझ रखने वाले पेशेवरों की मांग बढ़ेगी और कॉमक्वेस्ट जैसे मंच इसी क्षमता को निखारने का कार्य कर रहे हैं।

युद्ध के बीच फंसे लोगों के लिए 50 फ्लाइट्स

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच वहां फंसे यात्रियों की आवाजाही बनाए रखने के लिए भारतीय विमानन कंपनियां सोमवार से लगभग 50 उड़ानों का संचालन करेंगी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय मौजूदा सुरक्षा स्थिति और परिचालन क्षमता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि दुबई, मस्कट, अबू धाबी, फुजैरा और जेद्दा सहित प्रमुख हवाई अड्डों से भारत के लिए उड़ान सेवाएं जारी रहेंगी। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए एयर इंडिया 10 से 18 मार्च के बीच नौ रूटों पर 78 अतिरिक्त उड़ानें जोड़ने की तैयारी कर रही है।

पश्चिम एशिया के तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों में लगाई आग

ब्रेंट 119 डॉलर के करीब

एक सप्ताह में 50% से अधिक तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव का असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है। क्षेत्र में आपूर्ति बाधित होने और प्रमुख तेल उत्पादक देशों द्वारा उत्पादन घटाए जाने से कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र उछाल दर्ज किया गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 119 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई, जबकि अमेरिकी मानक वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड भी 113 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर कारोबार करता देखा गया। बाजार आंकड़ों के अनुसार पिछले सात दिनों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 55 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सोमवार को ब्रेंट क्रूड ने 107.92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की और तेजी से बढ़ते हुए 119.14 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया।

सूर्य की नजर अगले विश्व कप के साथ ओलंपिक स्वर्ण पर

- क्रिकेट जगत ने टीम इंडिया की शान में कसीदे गढ़े
- दिग्गज क्रिकेटरों ने भारत को जीत का हकदार और सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम बताया

एजेंसी । नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड पर शानदार जीत के साथ लगातार दूसरा खिताब जीतने वाली भारतीय टीम की शान में पूरे विश्व का क्रिकेट जगत कसीदे गढ़ने में जुट गया है। दूसरी ओर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अभी से अगला लक्ष्य तय कर लिया है-ओलंपिक स्वर्ण पदक।महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारत को 'पूरी तरह से जीत का हकदार' बताया जबकि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने उन्हें 'सीमित ओवरों की सर्वश्रेष्ठ टीम' का तमगा दे दिया। क्रिकेट जगत ने इस तरह भारतीय टीम की ऐतिहासिक तीसरी टी-20 विश्व कप खिताबी जीत की दिल खोलकर सराहना की है।

दो अहम टूर्नामेंट

इस टीम की औसत उम्र 30 के करीब है, लिहाजा ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में 2028 में होने वाले अगले टी-20 विश्व कप में भी उनके खेलने की पूरी संभावना है। लेकिन उससे पहले खिलाड़ियों के पास लॉस एंजिलिस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने का भी मौका होगा।इस टीम में सिर्फ कप्तान सूर्यकुमार यादव ही 35 साल के हैं लेकिन उनका इरादा 2028 में ये दोनों टूर्नामेंट खेलने का है। फाइनल में जीत के बाद प्रेस कांफ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा, एक टीम के रूप में हमने जो कुछ हासिल किया है, वह काफी खास है। अब अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक स्वर्ण और उसी साल टी-20 विश्व कप भी है।

उपलब्धि दोहराने का लक्ष्य

उन्होंने कहा, 2024 के बाद से जिस तरह से सफर तय किया गया है, हम काफी रोमांचित हैं। हमने तीन आईसीसी ट्रॉफी (वनडे चैंपियंस ट्रॉफी समेत) लगातार जीतीं। 2024 में लंबे समय बाद आईसीसी खिताब जीता। हमें पता है कि हम किस तरह से खेलना चाहते थे। 2024 के बाद सब कुछ बदल गया। हमने 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी (रोहित शर्मा की कप्तानी में) जीती और बिल्कुल अलग तरह की क्रिकेट खेली।

खिदिग्गजों ने सराहा

सचिन तेंदुलकर ने दी टीम को बधाई

रचिन रवींद्र इस T20 वर्ल्ड कप में बल्ले से ज्यादा गेंद से अपनी टीम के लिए कीमती साबित हुए हैं।पाकिस्तान के खिलाफ सुपर आठ का पहला मैच बारिश में धुल जाने के बाद, बाएं हाथ के स्पिनर ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में न्यूजीलैंड को बढ़त दिलाई। उन्होंने 32 रन बनाए और 4/27 लेकर को-होस्ट टीम को 107/8 पर रोकने में मदद की।

माइकल वॉन बोले- भारत को रोकना मुश्किल

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन भारतीय टीम के दबदबे से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि वर्तमान में भारत न केवल टी-20, बल्कि 50 ओवर के प्रारूप में भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है। वॉन के अनुसार, टीम इंडिया ने अपने खेल को एक ऐसे स्तर पर पहुँचा दिया है, जहाँ आने वाले समय में सफेद गेंद के क्रिकेट में उन्हें चुनौती देना किसी भी टीम के लिए बेहद कठिन होगा।

ईशान से पूछा था, क्या विश्व कप जिताएगा

ताबी जीत के बाद ईशान ने मजेदार वाक्या बताया। उन्होंने कहा, सूर्या भाई ने मुझे तब फोन किया जब टीम घोषित होने वाली थी। मैंने स्क्रीनशॉट भी ले लिया क्योंकि मुझे लग रहा था कि उन्होंने विश्व कप टीम के बारे में फोन किया है। उन्होंने मेरे से सीधे पूछा, विश्व कप जिताएगा? तो मैंने उनसे पूछा, भरोसा करोगे?

विराट कोहली ने सराहा टीम का जज्बा

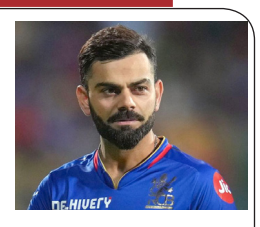

अहमदाबाद में मिली इस शानदार जीत के बाद विराट कोहली ने खिलाड़ियों और प्रबंधन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट के दौरान भारतीय टीम के खेल का कोई मुकाबला नहीं था। कोहली ने विशेष रूप से मुश्किल परिस्थितियों में टीम के लड़ने वाले जज्बे की तारीफ की और कहा कि लड़कों ने एक बार फिर विश्व चैंपियन बनकर अपनी काबिलियत साबित कर दी है।

जय शाह ने बताया शानदार फाइनल

BCCI सचिव जय शाह ने इस फाइनल को अब तक के सबसे सफल वैश्विक आयोजनों में से एक बताया। उन्होंने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी, पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि भारत लगातार दो टी-20 विश्व कप खिताब जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बन गई है।

सौरव गांगुली ने टीम की मजबूती को सराहा

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने टीम की मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि यह टीम बड़े मुकाबलों में और भी निखर कर सामने आती है। उन्होंने रेखांकित किया कि भारतीय क्रिकेट इस समय अपने सबसे शानदार दौर से गुजर रहा है। गांगुली ने याद दिलाया कि महिला टीम, अंडर-19 टीम और अब पुरुष टी-20 टीम का चैंपियन बनना यह दर्शाता है कि भारत हर स्तर पर क्रिकेट की महाशक्ति बन चुका है।

श्रीकांत, प्रणय और सात्विक-चिराग के सामने दूसरा खिताब जीतने की चुनौती

- ऑल इंग्लैंड के लिए जाने के दौरान दुबई में फंसने- के अनुभव के बाद सिंधु ने नाम वापस लिया
- महिला एकल में दो भारतीय पेश करेंगी चुनौती

स्विस ओपन बैडमिंटन

एजेंसी । बासेल

पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय के सामने स्विस ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपना दूसरा खिताब चुनौती है। मंगलवार से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में हालांकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु हिस्सा नहीं लेंगी। सिंधु पिछले दिनों ऑल इंग्लैंड में हिस्सा लेने के लिए जाने के दौरान दुबई में तीन दिन फंसने के तनाव से अभी उबरी नहीं हैं। लिहाजा उन्होंने मंगलवार से शुरू हो रहे स्विस ओपन से नाम वापस ले लिया है। ऐसे में महिला एकल में दो भारतीय उतरेंगी। अब वह अप्रैल में बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के जरिये वापसी करेंगी।

नंबर गेम

05 एकल खिताब अब तक भारतीय खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जीते

10 साल पहले प्रणय और 11 साल पहले श्रीकांत चैंपियन बने थे

03 साल पहले सात्विक-चिराग ने भी पुरुष युगल खिताब जीता था

पुरुष एकल में पांच दावेदार

पुरुष एकल प्रणय और श्रीकांत सहित चार भारतीय चुनौती पेश करेंगे। श्रीकांत का सामना पहले दौर में जैसन गुनावान से होगा। श्रीकांत पिछले साल मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल के फाइनल में पहुंचे थे। विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता प्रणय पहले दौर में जापान के कोकी वातानाबे से खेलेंगे। तरुण मान्नेपल्ली की टक्कर जापान के केंता निशिमोतो से होगी जबकि आयुष शेट्टी का सामना कनाडा के ब्रायन यांग से होगा। किरण जॉर्ज सिंगापुर के लोह कीन यू से खेलेंगे।

फ्यूचर्स कप मुक्केबाजी में जीते राधामणि और साहिल

एजेंसी । बैंकॉक

भारत की युवा मुक्केबाजी टीम के लिए सोमवार को विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में मिलाजुला दिन रहा। राधामणि लोंगजाम और साहिल दुहान ने जीत हासिल की लेकिन उधम सिंह टूर्नामेंट से बाहर हो गए। महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में राधामणि ने उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को हराया और तीसरे दौर में रेफरी के मुकाबला रोकने (आरएससी) पर जीत दर्ज की। पुरुषों के वर्ग में साहिल (60 किग्रा) ने तुर्कमेनिस्तान के मुक्केबाज को 5-0 के एकमत फैसले से मात दी। हालांकि उधम सिंह (55 किग्रा) को कड़ी टक्कर देने के बावजूद जापान के प्रतिद्वंद्वी खिलाफ कड़े मुकाबले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

भारतीय टीम के लिए 'करो या मरो' की स्थिति

एजेंसी । सिडनी

सिडनी में खेले जा रहे एएफसी महिला एशियाई कप में भारतीय महिला फुटबॉल टीम मंगलवार को अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने उतरेगी। ग्रुप-सी के अपने अंतिम मुकाबले में भारत का सामना चीनी ताइपे से होगा, जहाँ टूर्नामेंट में बने रहने के लिए भारत को हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। वर्तमान में भारतीय टीम अपने शुरुआती दोनों मैच हारकर (वियतनाम से 1-2 और जापान से 0-11) ग्रुप में सबसे निचले पायदान पर है। कोच ने इस मैच को एक बड़े अवसर के रूप में देखते हुए टीम को पूरी गंभीरता के साथ मैदान पर उतरने का निर्देश दिया है। ग्रुप की स्थिति को देखते हुए चीनी ताइपे का पक्ष मजबूत नजर आ रहा है, क्योंकि नॉकआउट चरण में प्रवेश करने के लिए उन्हें केवल

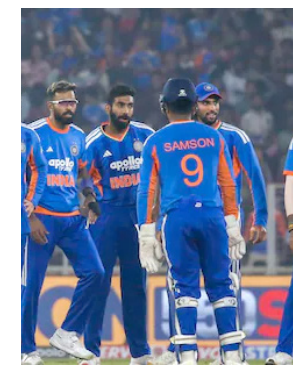

एक ड्रॉ की आवश्यकता है। वर्तमान में जापान छह अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि चीनी ताइपे और वियतनाम तीन-तीन अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर काबिज हैं। भारत के लिए चुनौती कठिन है क्योंकि उन्हें न केवल अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत करना होगा, बल्कि चीनी ताइपे के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाकर पूरे तीन अंक हासिल करने होंगे।

बॉलीवुड

'जन नायकन' को एक और झटका लगा

थलापति विजय पिछले कुछ समय से निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर खबरों में हैं। एक ओर, उनकी पत्नी संगीता सोरनालिंगम ने चेन्नई की एक अदालत में विजय से तलाक के लिए अर्जी लगाई है। वहीं दूसरी ओर, अभिनेता की फिल्म 'जन नायकन' को एक और बड़ा झटका लगा है। केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड की समीक्षा समिति द्वारा फिल्म की स्क्रीनिंग को अचानक स्थगित कर दिया गया है। बता दें, स्क्रीनिंग 9 मार्च को दोपहर 2 बजे होनी थी। समीक्षा समिति के एक सदस्य के बीमार पड़ जाने के कारण 'जन नायकन' की स्क्रीनिंग को अनिश्चितकाल के लिए रद्द करना पड़ा है। बताया जाता है कि निर्माता KVN प्रोडक्शन को कथित तौर पर 8 मार्च को पुनर्निर्धारित स्क्रीनिंग के बारे में आधिकारिक सूचना मिल गई थी, लेकिन इस अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण अचानक फैसला बदलना पड़ा। हालांकि, बोर्ड और निर्माताओं ने इस प्रक्रिया को लेकर चुप्पी साध रखी है। 'जन नायकन' को 9 जनवरी, 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन सेंसर बोर्ड द्वारा प्रमाण पत्र न मिलने के कारण यह अब तक अधर में लटकी है। इस बीच, कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद, फिल्म को जून में रिलीज किया जा सकता है। हालांकि, निर्माताओं की ओर से कोई मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बता दें, एच. विनोद द्वारा निर्देशित 'जन नायकन', विजय की आखिरी फिल्म है।

सलमान खान के साथ बनेगी सामंथा रुथ प्रभु की जोड़ी

इन दिनों सलमान खान के दोनों हाथों में लड्डू है, क्योंकि वह कई फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। एक ओर अभिनेता आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में व्यस्त चल रहे हैं जो 2026 में रिलीज होगी। कुछ दिन पहले खबर आई थी कि उन्होंने निर्देशक दिल राजू के साथ एक परियोजना को लेकर बातचीत की है। इस बीच सलमान की एक और फिल्म पर ताजा अपडेट आ गया है जिसमें उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु दिख सकती हैं। सलमान पिछले कुछ दिनों से राज-डीके के साथ एक सुपरहीरो फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। भले परियोजना अभी बातचीत के दौर में हो, लेकिन फैंस की खुशी सांतवें आसमान पर है। अब सूत्रों ने खुलासा किया है कि इस फिल्म

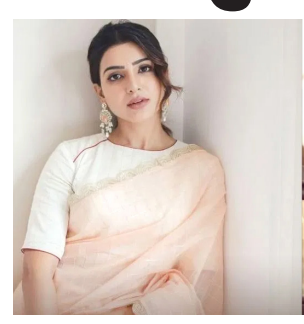

के लिए सामंथा का नाम सबसे ऊपर है। सूत्र ने बताया, ₹सामंथा से बातचीत चल रही है। निर्माताओं संग उनका तालमेल बहुत अच्छा है। उन्हें लगता है कि वह इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही हैं।₹ सूत्र ने आगे बताया कि निर्माता अगस्त, 2026 से परियोजना की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। जाहिर है कि सामंथा, निर्माता राज निदिमोरु की पत्नी हैं, और उनकी सीरीज 'सिटाडेलः हनी-बनी' का हिस्सा रही हैं। अगर सबकुछ योजना के मुताबिक रहा, तो पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर सलमान और सामंथा की जोड़ी दिखाई देगी। बता दें, राज-डीके की जोड़ी 'द फैमिली मैन', 'फर्जी' और 'गन्स एंड गुलाब्स' जैसे वेब शो बनाने के लिए जानी जाती है।

रिलीज से पहले 'धुरंधर 2' ने बनाया रिकॉर्ड

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' 19 मार्च को दुनियाभर में दस्तक देने के लिए तैयार है। इससे पहले फिल्म ने एडवांस बुकिंग में तहलका मचा दिया है। आलम यह है कि फिल्म को देखने के लिए टिकट खिड़कियों पर अभी से ताबड़तोड़ बिक्री शुरू हो चुकी है। इसी का नतीजा है कि 'धुरंधर 2' ने एडवांस बुकिंग में बंपर कारोबार कर दिखाया है। यही नहीं, कुछ रिकॉर्ड को तोड़ने में भी सफलता हासिल कर ली है। 9 मार्च की दोपहर तक 'धुरंधर 2' ने एडवांस बुकिंग में कुल 2.06 लाख टिकटों की बिक्री की है। इसमें से लगभग 1.94 लाख टिकट सिर्फ हिंदी वर्जन के लिए हैं, जिन्हें एडवांस बुकिंग के जरिए बेचा गया है। इस तरह रिलीज से 10 दिन पहले ही फिल्म की कुल एडवांस ग्रॉस कमाई 18.11 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। बिना ब्लॉक सीट के यह आंकड़ा लगभग 12.30 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। 'धुरंधर 2' ने एडवांस बुकिंग में शानदार प्रदर्शन दिखाते हुए रिकॉर्ड कायम किया है। इसने श्रद्धा कपूर अभिनीत 'स्त्री 2' के 10 करोड़ के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और बॉलीवुड की सबसे बड़ी पेड प्रीमियर एडवांस बुकिंग का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। वहीं दिल्ली-NCR जैसे बड़े शहरों में कुछ शो के लिए टिकटों की कीमतें 2,500 से 2,900 रुपये तक पहुंच गई हैं।

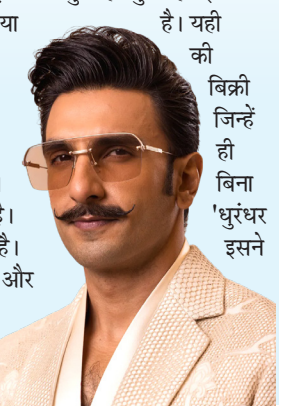

शाहरुख के साथ काम करना एक्टर्स का सपना होता है: सौरभ शुक्ला

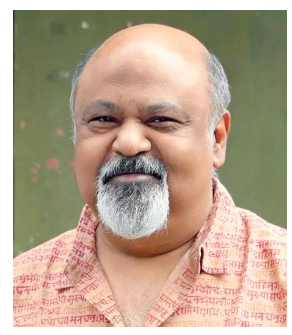

लेखक व अभिनेता सौरभ शुक्ला इन दिनों अपनी नई निर्देशित फिल्म 'जब खुली किताब' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं इसी साल अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में भी नजर आएंगे। हाल ही में सौरभ शुक्ला ने शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि लोग शाहरुख के साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। सौरभ शुक्ला ने शाहरुख के साथ काम करने पर कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना कई अभिनेताओं का सपना होता है। हर कोई शाहरुख खान को पसंद करता है। उनके ऑफिस से एक कॉल आ जाए, या वे खुद फोन करें, तो आप उनके साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाएंगे। हालांकि, इस दौरान सौरभ शुक्ला ने 'किंग' में अपने किरदार को लेकर कुछ भी बताने से साफ इंकार कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में उनके कितने सीन हैं, तो सौरभ शुक्ला ने सवाल को टालते हुए कहा कि वे फिल्म के बारे में उतना ही बताएंगे जितना वे बताना चाहते हैं। लोगों को यह जानने के लिए 'किंग' देखनी होगी कि कहानी में उनका क्या रोल है।

'अल्फा' की रिलीज तारीख का ऐलान

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' को आखिरकार रिलीज तारीख मिल गई। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म है जो लंबे समय से रुकावटों का मुंह देख रही थी। दरअसल, पहले फिल्म को दिसंबर, 2025 में सिनेमाघरों में उतारने की योजना थी। फिर इसे 17 अप्रैल, 2026 तक स्थगित कर दिया गया। अब निर्माताओं ने आधिकारिक ऐलान करते हुए 'अल्फा' की रिलीज तारीख से पर्दा उठा दिया है। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित 'अल्फा' 10 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। फिल्म का नया पोस्टर जारी किया गया है। इसमें आलिया के किरदार की एक छोटी सी झलक दिखती है और उनके चेहरे व हाथ पर चोट के निशान हैं। वहीं अन्य कलाकारों के तौर पर अनिल कपूर और बॉबी देओल का नाम है जो इसका अहम हिस्सा होंगे। निर्माताओं द्वारा आधिकारिक ऐलान के बाद, 'अल्फा' को OTT पर रिलीज करने की अफवाहें खारिज हो गई हैं।

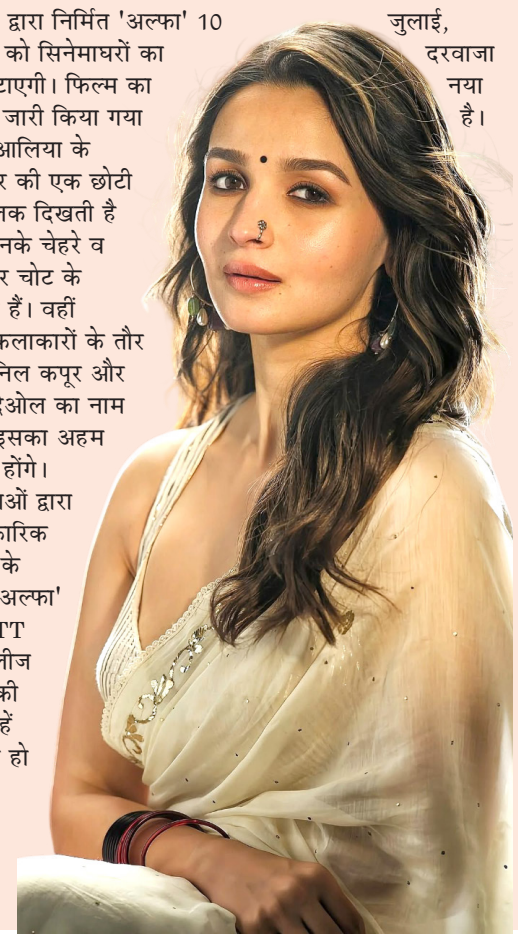

दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को राहत

कोर्ट ने दी 10 दिन की अंतरिम जमानत

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली दंगों के आरोपी शरजील इमाम को कड़कड़डूमा कोर्ट ने सोमवार को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने शरजील इमाम को अपने भाई की शादी में शामिल होने और बीमार मां की देखभाल करने के लिए 10 दिन की अंतरिम जमानत दी है।

कोर्ट में क्या दी थी दलील?

एडिशनल सेशन जज समीर बाजपेई की अदालत ने शरजील को 20 मार्च से 30 मार्च तक अंतरिम जमानत दी है। शरजील इमाम ने अदालत में अर्जी देकर 10 दिनों की अंतरिम रिहाई की मांग की थी। उनकी ओर से वकीलों ने दलील दी कि उनके सगे भाई की जल्द ही शादी होने वाली है, ऐसे में परिवार में उनकी मौजूदगी जरूरी है। साथ ही यह भी बताया गया कि उनकी मां की तबीयत काफी खराब है और उनकी देखभाल करने वाला कोई दूसरा नहीं है। इन परिस्थितियों और पारिवारिक जिम्मेदारियों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने मानवीय आधार पर राहत देते हुए शरजील इमाम को 10 दिनों के लिए जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी।

दिल्ली में कब हुई हिंसा?

दिल्ली के पूर्वोत्तर इलाकों में हिंसा उस समय हुई थी जब साल 2020 में नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लेकर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। हिंसा और आगजनी के दौरान 53 लोगों की मौत हुई थी। आक्रोशित लोगों ने केंद्र सरकार के फैसलों- राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (NRC) और नागरिकता संशोधन कानून (CAA) के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। हालांकि, दिल्ली पुलिस के आरोपों में प्रदर्शनकारियों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए।

शरजील इमाम ने खड़ा किया था दिल्ली का सबसे बड़ा धरना

सीएए व एनआरसी के विरोध में सबसे लंबा चलने वाला धरना शाहीनबाग में जेएनयू छात्र शरजील इमाम ने खड़ा किया था और यहीं दिल्ली दंगों की साजिश भी रची गई। शरजील के अलावा जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद, जामिया व आईआईटी के छात्रों ने भी बड़ी भूमिका निभाई थी। दूसरी तरफ जेएनयू के अल्पसंख्यक समुदाय के छात्रों के व्हाट्सएप ग्रुप की भी साजिश रचने में बड़ी भूमिका थी। यह दावा दिल्ली पुलिस ने कोर्ट में दाखिल आरोप पत्र में किया था। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार शरजील के बयान को साजिश संबंधी आरोप पत्र में रखा गया। इसके अनुसार पांच दिसंबर को जेएनयू में अल्पसंख्यक संगठन के बैनर तले 300 से अधिक छात्र मिले। छह दिसंबर को ओखला, निजामुद्दीन, पुरानी दिल्ली में कैब से हजारों पर्चे बांटे। इसे कई कस्बों व शहरों में भी बांटा गया।

असम चुनाव से पहले एजीपी को बड़ा झटका

जयंत खाउंड कांग्रेस में शामिल

गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन सरकार को घेरा

एजेंसी । गुहावटी

असम विधानसभा चुनाव की आहट के बीच राज्य की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। असम गण परिषद के दिग्गज नेता जयंत खाउंड ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया है। जयंत खाउंड ने सोमवार को नई दिल्ली में कांग्रेस की सदस्यता ली। इस दौरान असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई, प्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह और कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार जैसे दिग्गजों की मौजूदगी ने इस ज्वाइनिंग को और भी खास बना दिया। खाउंड के साथ उनके कई समर्थकों ने भी पार्टी का दामन थामा है।

एजीपी के लिए 'खतरे की घंटी'

जयंत खाउंड का एजीपी छोड़ना क्षेत्रीय राजनीति के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। कांग्रेस का मानना है कि खाउंड के आने से ऊपरी असम और कई अन्य क्षेत्रों में पार्टी को जमीनी मजबूती मिलेगी। गौरव गोगोई ने कहा कि खाउंड काफी समय से संपर्क में थे और अब वे 'जनता की सेवा' के संकल्प के साथ आए हैं।

हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला

सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान गौरव गोगोई ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री मनमाने ढंग से काम कर रहे हैं और राज्य में भ्रष्टाचार बढ़ गया है। गोगोई ने दावा किया कि असम की जनता वर्तमान सरकार के कामकाज से ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है। कांग्रेस महासचिव जितेंद्र सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा राज्य के क्षेत्रीय दलों (जैसे AGP) को सुनियोजित तरीके से खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

बंगाल से भाजपा नेता राहुल सिन्हा राज्यसभा के लिए निर्वाचित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल सिन्हा राज्यसभा के लिए चुन लिए गए हैं। उन्होंने अपना जीत का प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) भी प्राप्त कर लिया है। इस मौके पर उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व का शुक्रिया अदा किया। राहुल सिन्हा ने कहा, वे जनता की सेवा और पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उनके पास राजनीति का बहुत लंबा अनुभव है। वे इस अनुभव का इस्तेमाल संसद के उच्च सदन में पश्चिम बंगाल के जरूरी मुद्दों को उठाने के लिए करेंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे राज्य की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सबके सामने रखेंगे।

इतिहासकार डॉ. केएन पणक्किर का निधन

तिरुवनंतपुरम। प्रसिद्ध इतिहासकार डॉ. केएन पणक्किर का सोमवार को निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे और बीते कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उन्होंने एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में प्रोफेसर रहे डॉ. पणक्किर भारतीय इतिहास लेखन के क्षेत्र में अपनी गहरी छाप छोड़ गए हैं। वे अपने साक्ष्यों पर आधारित ऐतिहासिक विश्लेषण के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने काम के माध्यम से हमेशा इतिहास को निष्पक्ष होकर पढ़ने पर जोर दिया। उनके परिवार में पत्नी ऊषा भार्गव, बेटियां रागिनी, शालिनी व दामाद पीतांबर और आर वी रमण हैं।

केरल में चुनाव प्रचार अभियान शुरू करेंगे मोदी

कोच्चि। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 11 मार्च को यहां राजग के चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। इस अभियान में लगभग 50 हजार लोगों के भाग लेने की संभावना है। भाजपा के राज्य महासचिव एस. सुरेश ने सोमवार को कहा कि मोदी कलूर में जवाहरलाल अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित होने वाले सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि राजग आगामी विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान के लिए 'मोदी के साथ बदलाव लाएं, विकसित केरलम बनाएं' नारा तय किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के बुधवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचने की उम्मीद है।

'प्रोजेक्ट चीता' ने पकड़ी रफ्तार, भारत में आबादी 50 के पार

भोपाल। भारत में दशकों पहले विलुप्त हो चुके चीतों को फिर से बसाने की कोशिश रंग लाने की लगी है। साल 2022 में अफ्रीकी देशों से लाए गए चीते लगातार शावकों को जन्म दे रहे हैं, जिससे देश में इनकी आबादी में बढ़ोतरी जारी है। सोमवार को चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया, जिसके बाद इनकी संख्या 53 हो गई है।केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक्स पोस्ट में यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत में जन्मे शावकों की संख्या 33 हो गई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इसे चीतों के संरक्षण के लिए गर्व का पल बताया। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि चीता ज्वाला ने पांच शावकों को जन्म दिया है, जो प्रोजेक्ट चीता के लिए एक मील का पत्थर है।

प्रोटोकॉल उल्लंघन पर बंगाल सरकार ने केंद्र को सौंपी रिपोर्ट

एजेंसी । कोलकाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान हुए कथित प्रोटोकॉल उल्लंघन के मामले में राज्य सरकार ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी है। सोमवार को राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को यह दस्तावेज भेजे। रिपोर्ट में राष्ट्रपति के दौरे के हर चरण में लिए गए प्रशासनिक फैसलों का ब्योरा दिया गया है और उन परिस्थितियों को स्पष्ट किया गया है जिनके कारण प्रोटोकॉल से संबंधित विवाद उत्पन्न हुए। राज्य सरकार द्वारा भेजी गई इस रिपोर्ट में दो मुख्य बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पहला, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राष्ट्रपति के कार्यक्रम में मौजूद न रह पाना और दूसरा, संथाल सम्मेलन के स्थान को अंतिम समय में बदले जाने के पीछे के तकनीकी व प्रशासनिक कारण।

चुनाव में बनेगा 'आदिवासी अपमान' का मुद्दा

दूसरी ओर, भाजपा ने इस मुद्दे पर ममता सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता राहुल सिन्हा ने घोषणा की है कि राष्ट्रपति के कथित अनादर को आगामी विधानसभा चुनाव में एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया जाएगा। सिन्हा के अनुसार, यह केवल प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं बल्कि पूरे आदिवासी और संथाल समाज का अपमान है। पार्टी ने 'परिवर्तन यात्रा' के दौरान विशेष रूप से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में इस विषय को जनता के बीच ले जाने की योजना बनाई है। भाजपा ने मुख्यमंत्री से इस पूरे प्रकरण के लिए माफी की मांग भी की है।

कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव अमान्य घोषित

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रामनिवास रावत होंगे नए विधायक

एजेंसी । ग्वालियर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने चुनाव याचिका पर बड़ा फैसला सुनाया है। विजयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा का चुनाव शून्य घोषित कर दिया गया है। पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने याचिका दायर की थी। इस याचिका में मुकेश मल्होत्रा पर चुनावी हलफनामे में आपराधिक रिकार्ड की जानकारी छुपाने का आरोप लगाया गया था। इसमें कहा गया था कि मुकेश मल्होत्रा ने उपचुनाव के दौरान जो नामांकन दाखिल किया था, उसमें अपने आपराधिक मामलों की जानकारी छिपाई गई। मल्होत्रा पर 6 आपराधिक मामले दर्ज थे जबकि उन्होंने नामांकन में केवल 2 मामले ही बताए। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया में गड़बड़ी और तथ्यों को छिपाने को सही माना।

सीईसी को हटाने के लिए विपक्ष लाएगा महाभियोग प्रस्ताव

विपक्ष ने तैयार किया ड्राफ्ट, संसद के दोनों सदनों में नोटिस देने की तैयारी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय राजनीति में एक बड़ा संवैधानिक टकराव देखने को मिल रहा है। विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की ठोस तैयारी कर चुके हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस सहित कई दलों का आरोप है कि सीईसी ने अपने संवैधानिक पद की गरिमा के साथ समझौता किया है।

150 सांसदों के हस्ताक्षर जुटाने का लक्ष्य

महाभियोग का नोटिस जमा करने के लिए कड़े नियम हैं। लोकसभा के कम से कम 100 सांसदों और राज्यसभा के कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है। विपक्ष का दावा है कि उनके पास पर्याप्त संख्या बल है और वे एक सप्ताह के भीतर यह नोटिस सदन में पेश कर सकते हैं।

लामबंद हुआ विपक्ष

तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ सांसद के अनुसार, महाभियोग का मसौदा (Draft) तैयार हो चुका है। यह किसी एक पार्टी का नहीं बल्कि INDIA गठबंधन का साझा फैसला है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही दिल्ली में एक प्रेस वार्ता के दौरान इसके संकेत दे दिए थे। अब विपक्ष के नेता दोनों सदनों में सांसदों से संपर्क कर उनके हस्ताक्षर ले रहे हैं।

न्यायाधीश जैसी कठिन प्रक्रिया

मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाना कोई आसान काम नहीं है। इनकी हटाने की प्रक्रिया वैसी ही है जैसी सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जज की होती है। केवल 'दुर्व्यवहार' या 'अक्षमता' सिद्ध होने पर ही उन्हें हटाया जा सकता है। नोटिस मिलने के बाद एक जांच समिति आरोपों की गहराई से पड़ताल करती है। अगर समिति आरोपों को सही पाती है, तो प्रस्ताव पर सदन में चर्चा होती है।

इनकम टैक्स की 'सर्च पावर' पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

सुप्रीम कोर्ट ने तलाशी और जब्ती के प्रावधानों को सही ठहराया

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने आयकर अधिकारियों को 'तलाशी और जब्ती' की शक्ति देने वाले कानूनी प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। अदालत ने एक बेहद महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि किसी कानून को सिर्फ इस डर से असंवैधानिक नहीं माना जा सकता कि उसका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

'आशंका के आधार पर कानून रद्द नहीं होता'

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने साफ कहा कि किसी भी नियम का 'संभावित दुरुपयोग' उसे असंवैधानिक बनाने का आधार नहीं हो सकता। अदालत ने तर्क दिया कि ये प्रावधान उन लोगों के लिए हैं जो बड़े पैमाने पर कर चोरी करते हैं, और कानून को केवल 'डर' के आधार पर नहीं परखा जा सकता। याचिकाकर्ता की मुख्य चिंता यह थी कि आयकर अधिकारियों को सर्च के कारण ट्रिब्यूनल या करदाता को तुरंत बताने से छूट दी गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि कानून के तहत अधिकारियों को 'विश्वास करने के कारणों' को लिखित में रिकॉर्ड करना पड़ता है।

डिजिटल युग और नोटिस की चुनौती

10 फरवरी की पिछली सुनवाई का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि आज के डिजिटल युग में अगर तलाशी से पहले नोटिस दिया गया, तो जांच शुरू होने से पहले ही सबूत मिटाए जा सकते हैं। इससे पूरी जांच का मकसद ही खत्म हो जाएगा।

नया आयकर अधिनियम 2025 भी रडार पर

याचिका में आयकर अधिनियम 1961 की धारा 132 के साथ-साथ नये आयकर अधिनियम 2025 की धारा 247 को भी चुनौती दी गई थी, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होने वाला है। याचिकाकर्ता का आरोप था कि ये धाराएं अधिकारियों को 'अत्यधिक शक्ति' देती हैं, जिससे तीसरे पक्ष भी बेवजह लपेटे में आ सकते हैं।

टूट रहा है दुनिया का सबसे विशाल आइसबर्ग ए23ए

एजेंसी । सिडनी

दुनिया का सबसे विशालकाय हिमशैल (आइसबर्ग) ए23ए टूट रहा है। अंटार्कटिका से अलग होने के लगभग 40 साल बाद तेजी से खत्म हो रहा है।

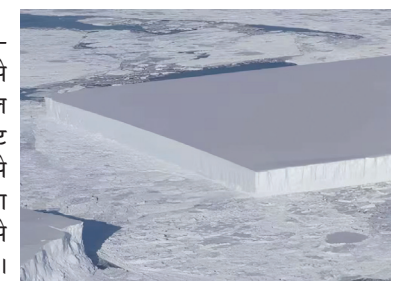

लंदन से दोगुना था आकार

जब 1986 में यह अंटार्कटिका के वेडेल सागर से अलग हुआ था, तब इसका क्षेत्रफल लगभग 4,000 वर्ग किलोमीटर था, जो लंदन शहर के आकार से लगभग दोगुना है। इसका वजन करीब एक ट्रिलियन टन था। हैरानी की बात यह है कि अलग होने के बाद भी यह 30 सालों से ज्यादा समय तक समुद्र तल की जमीन में फंसा रहा और अपनी जगह से हिल नहीं पाया।

पिघलने की वजह और असर

दक्षिण अटलांटिक के गर्म पानी और तेज लहरों ने इसकी पकड़ कमजोर कर दी है। सैटेलाइट तस्वीरों में इसकी सतह पर बड़ी दरारें देखी गई हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ हफ्तों में यह पूरी तरह छोटे टुकड़ों में बिखर कर समुद्र में समा जाएगा।

आरएसपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी

- 124 सीटों पर आरएसपी ने जीत दर्ज की
- एनसी के खाते में अभी तक 17 सीटें आईं
- 165 में से 161 सीट के परिणाम घोषित

एजेंसी । काठमांडू

नेपाल के संसदीय चुनावों में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) ने अभूतपूर्व सफलता हासिल करते हुए सत्ता के समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। सोमवार सुबह तक घोषित परिणामों के अनुसार, आरएसपी ने प्रत्यक्ष मतदान की 165 सीटों में से 124 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है। आनुपातिक मतदान प्रणाली में भी पार्टी को 40 लाख से अधिक वोट मिले हैं, जिससे विशेषज्ञों का अनुमान है कि 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में आरएसपी की कुल सदस्य संख्या 164 तक पहुँच जाएगी। यह जादुई आंकड़ा न केवल पूर्ण बहुमत (138 सीट) को पार करता है, बल्कि पार्टी को दो-तिहाई बहुमत के करीब ले जाता है, जिसने नेपाली कांग्रेस (17 सीट) और यूएमएल (8 सीट) जैसे पुराने राजनीतिक दिग्गजों को हाशिए पर धकेल दिया है।

बालेंद्र शाह बनेंगे नेपाल के सबसे युवा और पहले मधेसी प्रधानमंत्री

इस चुनावी क्रांति के साथ ही नेपाल के राजनीतिक इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। बालेंद्र शाह देश के पहले मधेसी प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। वह न केवल एक खास समुदाय का प्रतिनिधित्व करेंगे, बल्कि नेपाल के इतिहास में सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री का पदभार भी संभालेंगे। उनके नेतृत्व में आरएसपी की इस प्रचंड जीत को नेपाल के युवाओं और पारंपरिक राजनीति से ऊब चुके मतदाताओं के बदलाव के संकल्प के रूप में देखा जा रहा है। अन्य दलों की बात करें तो एनसीपी को 7, श्रम संस्कृति पार्टी को 3 और आरपीपी को 1 सीट पर संतोष करना पड़ा है।

संसद में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी

इस चुनाव का एक और सकारात्मक पहलू संसद में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में हुआ सुधार है। इस बार कुल 14 महिला उम्मीदवार निर्वाचित होकर संसद पहुँची हैं, जो कुल सीटों का लगभग 8 प्रतिशत से अधिक है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इन 14 में से 13 महिला सांसद अकेले राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस को केवल 1 सीट मिली है। यह 2022 के चुनावों की तुलना में एक बड़ी प्रगति है, जहाँ केवल 9 महिलाएँ (5.45%) सदन तक पहुँच सकी थीं।

शोध

अमेरिका के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विकसित की खास तकनीक

डिजिटल ट्विन से अब सटीक होगी सर्जरी

एजेंसी । शिकागो

आने वाले समय में डिजिटल ट्विन की मदद से सर्जरी को और भी सटीक बनाने का प्रयास किया जाएगा। इस संबंध में अमेरिका स्थित नॉर्थवेस्टर्न मेडिसिन डाइजेस्टिव हेल्थ इंस्टीट्यूट के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने खास तकनीक विकसित की है।

क्या है डिजिटल ट्विन?

डॉक्टर आपकी सर्जरी करने से पहले कंप्यूटर पर आपके शरीर की बिल्कुल सटीक नकल (क्लोन) तैयार करते हैं और उस पर अलग-अलग ऑपरेशन करके देखते हैं कि कौन सा तरीका आपके लिए सबसे सुरक्षित होगा। विशेषज्ञों ने इस तकनीक का उपयोग भोजन की नली से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए शुरू किया है।

कैसे करती है काम?

डिजिटल ट्विन किसी इंसान के अंगों का एक वर्चुअल या डिजिटल मॉडल होता है। इसमें मरीज के शरीर का डाटा, जैसे अंगों की बनावट, मांसपेशियों की गति और इलेक्ट्रिकल सिग्नल डाले जाते हैं। इससे कंप्यूटर पर मरीज के अंग का एक ऐसा 'जुड़वां' तैयार हो जाता है, जो बिल्कुल असली अंग की तरह व्यवहार करता है। डॉक्टर इस डिजिटल मॉडल पर लाखों बार नकली ऑपरेशन कर सकते हैं, ताकि यह पता चल सके कि असल सर्जरी के दौरान मरीज का शरीर कैसा रिस्पॉन्स देगा।

सफल हुए परीक्षण

अब 400 लोगों पर एक क्लीनिकल परीक्षण शुरू किया गया है, ताकि यह साबित हो सके कि डिजिटल ट्विन द्वारा सुझाई गई सर्जरी पारंपरिक तरीके से बेहतर है। विशेषज्ञों का मानना है कि हर मरीज का शरीर अलग होता है। डिजिटल ट्विन की मदद से व्यक्ति के लिए खास दवा और सर्जरी का तरीका चुना जा सकेगा।नई दवाओं या सर्जरी तकनीकों को जानवरों पर टेस्ट करने के बजाय सीधे डिजिटल मॉडल पर परखा जा सकेगा, जो ज्यादा सटीक और नैतिक होगा।

इससे होने वाले फायदे

- सटीक और व्यक्तिगत इलाजः डिजिटल मॉडल की मदद से हर मरीज के लिए सबसे उपयुक्त दवा या सर्जरी चुनी जा सकेगी।
- सर्जरी से पहले रिस्क का पता चलनाः वर्चुअल सर्जरी से संभावित कॉम्प्लिकेशन पहले ही पहचाने जा सकेंगे।
- जानवरों पर टेस्टिंग की जरूरत नहींः इलाज या दवाओं को सीधे डिजिटल क्लोन पर आज़माया जा सकेगा।